दिल्ली सरकार
आप की सरकार

देशभक्ति

पाठ्यक्रम

TEACHER'S MANUAL | CLASS 9-12

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

---

[1] संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "**प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य**" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।

[2] संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित ।

अरविन्द केजरीवाल
मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
दिल्ली सचिवालय, आई०पी०एस्टेट,
नई दिल्ली–110002
ऑफिस–23392020, 23392030
फैक्स – 23392111
ई मेल– cmdelhi@nic.in

दिनाँक DSDCMI/22
15/09/21

संदेश

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत करना हमारी 'टीम एजुकेशन' के लिए गर्व की बात है। आज़ादी के बाद पिछले 74 सालों में बच्चों को स्कूलों में विज्ञान, गणित, भाषा, सामाजिक विज्ञान आदि विषय तो बड़ी मेहनत से पढ़ाए गए, इसमें हमने सफलता भी हासिल की, लेकिन स्कूलों में हमने अपने बच्चों को देशभक्ति नहीं सिखाई और ये मान लिया कि बच्चे देशभक्ति अपने आप सीख लेंगे। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत कर इस सोच को बदला जा रहा है। मेरा मानना है कि भारत के गौरव और हमारे संवैधानिक मूल्य सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहने चाहिए बल्कि उसे जीवन में भी उतारने की जरुरत है। देशभक्ति पाठ्यक्रम ये भूमिका बखूबी निभाएगा। देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देश के लिए गर्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

दिल्ली की शिक्षा प्रणाली नित नई ऊँचाइयों को छू रही है। हैप्पीनेस पाठ्यक्रम से हमारे बच्चे अच्छा इंसान बनना सीख रहे हैं, एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम से हमारे बच्चों को अपना करियर बनाने के लिए बेहतर सोच मिल रही है और देशभक्ति पाठ्यक्रम हमारे बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक एवं कट्टर देशभक्त बनाएगा।

मुझे खुशी है कि शिक्षा विभाग द्वारा गठित विशेषज्ञों एवं शिक्षकों की टीम ने इस विषय के लिए जो पाठ्यक्रम तैयार किया है वो बच्चों द्वारा रटने के बजाय देशभक्ति की भावना को समझने और उसे अपने रोजमर्रा की जिन्दगी में उतारने पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम स्कूल में पढ़ने की उम्र में ही बच्चों के अंदर उन मूल्यों और भावनाओं को स्थापित करेंगे जो बच्चों को अपने भारत के प्रति गर्व करना सिखाए और साथ–साथ उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए भी तैयार करें।

देशभक्ति पाठ्यक्रम' के माध्यम से हम शिक्षा की वह जिम्मेदारी सुनिश्चित कर रहे है जो सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण की नींव बनेगी। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले हर बच्चे में रचनात्मक और आलोचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता पैदा होगी और मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम शहीद भगत सिंह से लेकर बाबा साहब अम्बेडकर सहित हमारे तमाम स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं द्वारा देखे गए सपनों को हकीकत में बदलने में कामयाब होंगे।

दिल्ली सरकार की टीम एजुकेशन के सभी साथियों, स्कूलों में पढ़ने वाले प्यारे बच्चों और अभिभावकों को मेरी ओर से देशभक्ति पाठ्यक्रम की सफलता को लेकर शुभकामनाएं।

जय हिन्द।

(अरविन्द केजरीवाल)

विषय सूची

संख्या	शीर्षक	पेज नंबर
1.	देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य	iv
2.	अध्यापक के लिए विशेष निर्देश	v
3.	पाठ्यक्रम के मुख्य घटक (Components)	vi
4.	पाठ्यक्रम के Do's और Don'ts	viii
5.	मैन्युअल का उपयोग कैसे करें	x
6.	अध्यापक के लिए ध्यान रखने योग्य बातें	xii
7.	देशभक्ति ध्यान	xiv
8.	पहला दिन	xvi
	विषय-वस्तु	
9.	चैप्टर 1: अपने देश से प्यार और उसका सम्मान	1
10.	चैप्टर 2: देशभक्ति	11
11.	चैप्टर 3: मेरा देश - मेरा गौरव	23
12.	चैप्टर 4: मेरा भारत महान फिर भी विकसित क्यों नहीं?	31
13.	चैप्टर 5: मेरे सपनों का भारत	45
14.	स्त्रोत (Sources)	53

देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य

देशभक्ति पाठ्यक्रम का उद्देश्य तीन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

- प्रत्येक बच्चे के मन में देश के प्रति प्यार, सम्मान और गर्व की भावना को जागृत करना।

- प्रत्येक बच्चे को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी तथा कर्तव्य के प्रति जागरूक करना। वे देश की विभिन्न समस्याओं के प्रति ना सिर्फ संवेदनशील बनें बल्कि उनका समाधान करने का भी संकल्प ले। बच्चों में देश के प्रति अपनत्व की भावना का विकास करना।

- प्रत्येक बच्चे के अंदर देश के प्रति त्याग की भावना तथा त्याग करने वालों के प्रति सम्मान की भावना का विकास करना।

बच्चे समझ सकें कि उनके द्वारा देशहित में किया गया हर छोटे से छोटा काम या योगदान भी देशभक्ति से जुड़ा होता है। प्रायः लोगों में देशभक्ति की भावना में जोश और उत्साह कुछ ख़ास अवसरों पर ही देखने को मिलता है, जैसेः स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, कारगिल शहीदी दिवस आदि। जबकि रोजमर्रा के जीवन में अनेक ऐसे महत्वपूर्ण काम होते हैं जिन्हें करते समय हम जागरूक नहीं रहते और हमारी देशभक्ति में अधूरापन रह जाता है। हम भूल जाते हैं कि बड़े बड़े कामों के अलावा हमारे छोटे छोटे काम भी देशभक्ति को व्यापक अर्थ देकर उसे सम्पूर्ण बनाते हैं। यह पाठ्यक्रम बच्चों को जागरूक बनाने और अपने देश के लिए अपना सर्वस्व हर्ष से देने वाला ज़िम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अध्यापक के लिए विशेष निर्देश

इस पाठ्यक्रम की क्लास में अध्यापक को कुछ ख़ास नियमों का ध्यान रखना होगा, जो हैं–

- इस पाठ्यक्रम की क्लास में बच्चे सिर्फ अध्यापक या किसी और की कही गई बातों को ही सही नहीं मानते हैं बल्कि अपने अनुभवों के बारे में बात कर, दूसरों के अनुभव सुन तथा समझ कर, अपनी खुद की समझ का निर्माण करते हैं।

- इन चर्चाओं में बच्चों का सक्रिय होकर भाग लेना जरूरी है।

- अध्यापक एक फैसिलिटेटर के रूप में, इस तरीके का वातावरण बनाएँ जिसमें बच्चे स्वतंत्र रूप से अपने मन के भीतर गहराई में देखकर, विचार कर, सीख सकें और अपनी बात कह सकें।

- अध्यापक क्लास में अपनी मनोस्थिति को लेकर सजग रहें तथा कोई बात कहते समय अपने शब्दों के चयन का ध्यान रखें व कोशिश करें कि आपके विचार और भावनाएँ स्थिर रहें।

- बच्चों को प्रेरित करना है कि वे न केवल स्वयं की बल्कि स्कूल की चारदीवारी से बाहर निकलकर अपने घर के लोग तथा समाज में जाकर दूसरों के अनुभवों, वास्तविक जीवन की घटनाओं के बारे में जानें, सोचें और उस पर बात करें। क्लास में चिंतनशील चर्चाओं के द्वारा बच्चे स्वयं ही देशभक्ति का अर्थ जान पाएँगे।

प्रत्येक चैप्टर में दी गई एक्टिविटीज़ जैसे– क्लासरूम चर्चा, क्लास एक्टिविटी, अभिव्यक्ति, होमवर्क और सेल्फ-रिफ्लेक्शन आदि को दिए गए निर्देशों के अनुसार सुचारु रूप से कराएं ताकि पाठ्यक्रम को सही दिशा मिल सके।

पाठ्यक्रम के मुख्य घटक (Components)

देशभक्ति ध्यान

देशभक्ति की क्लास की शुरुआत में बच्चे रोज़ाना 5 मिनट माइंडफुलनेस प्रैक्टिस करेंगे और अपना ध्यान देश की ओर केंद्रित करेंगे। ध्यान में बच्चे यह संकल्प लेंगे कि वे सदैव अपने देश का सम्मान करेंगे और रोजाना 5 देशभक्तों को याद करके उनका आभार व्यक्त करेंगे।

देशभक्ति डायरी

देशभक्ति पाठ्यक्रम में बच्चों को एक डायरी बनानी है, जिसे इस पाठ्यक्रम में 'देशभक्ति डायरी' नाम से जाना जाएगा। यह डायरी कोई भी नई डायरी/रजिस्टर/नोटबुक हो सकती है, जो एक तरह का रिफ्लेक्टिव जर्नल (Reflective Journal) होगा जिसमें बच्चे अपने व्यक्तिगत विचारों और भावनाओं को लिखेंगे। इस डायरी में बच्चे देशभक्ति पाठ्यक्रम में करवाई गई एक्टिविटीज़, चर्चा और होमवर्क से सम्बन्धित अपनी लर्निंग, विचार, अनुभव आदि भी लिखेंगे। चैप्टर-1 से पहले देशभक्ति डायरी और उसका कवर तैयार करने के लिए निर्देश पेज नं.xvi पर दिए गए हैं।

क्लासरूम चर्चा

देशभक्ति पाठ्यक्रम का पीरियड 40 मिनट का होगा जिसमें क्लासरूम चर्चा एक महत्वपूर्ण एक्टिविटी है। इस टीचर्स मैन्युअल में, हर चौप्टर में दिए गए मुख्य प्रश्नों पर आधारित क्लासरूम चर्चा को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक निर्देश और ध्यान रखने योग्य बातें दी गई हैं। क्लासरूम चर्चा के दौरान, पूरी क्लास के बच्चे, एक समूह की तरह, दी गई विषय वस्तु पर सामूहिक चर्चा करेंगे जिसमें अध्यापक और बच्चों के बीच दो तरफा सामूहिक संवाद होंगे। यहाँ अध्यापक एक फैसिलिटेटर की भूमिका निभाते हुए बच्चों को क्लासरूम चर्चा में एक्टिव होकर भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे और उन्हें एक एक अपने विचार अभिव्यक्त करने के लिए पूरा समय देंगे।

क्लासरूम चर्चा का उद्देश्य बच्चों को सोचने और अभिव्यक्ति करने के लिए प्रेरित करना है जिससे वे स्वयं के, परिवार के, समाज के तथा देश के बारे में अपने अनुभवों, विचारों तथा भावनाओं को क्लास में बिना किसी झिझक के व्यक्त कर सकें। इस चर्चा में प्रत्येक बच्चा प्रश्न को ध्यान से सुनकर उस पर अपनी प्रतिक्रिया देने और क्लास के दूसरे बच्चों के विचारों को सुनने और समझने का अवसर भी मिलेगा। बच्चे यह भी समझ सकेंगे कि उनके मत दूसरों से अलग भी हो सकते हैं और वे स्वयं को कैसे अभिव्यक्त करना भी सीख सकेंगे। इस प्रकार की सामूहिक चर्चा में बच्चे जब किसी विषय-वस्तु पर अपना-अपना मत रखते हैं तो उन्हें उस विषय-वस्तु के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से सोच, विचार करने और उसके बारे में अपनी खुद की कुछ समझ बनाने का पूरा अवसर मिलेगा।

होमवर्क

क्लासरूम चर्चा के दौरान ही मुख्य प्रश्न पर आधारित होमवर्क बच्चों को दिया जाएगा। इसमें बच्चे अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से होमवर्क में दिए गए प्रश्नों के जवाब लेंगे। इन तीन व्यक्तियों में से एक व्यक्ति उनके घर का और शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होंगे जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि। परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग होंगे, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे। बच्चे उनके जवाबों को एक-दो वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में लिखकर लाएंगे और अगले नियत दिन उनके जवाबों पर क्लास में सामूहिक ग्रुप चर्चा करके अपनी खुद की समझ बना सकेंगे। बच्चे अपने जवाब पहले चैप्टर में पेज नं.xv पर दिए गए होमवर्क फॉर्मेट के अनुसार ही लिख कर लाएंगे।

ग्रुप चर्चा और रिफ़्लेक्शन

क्लासरूम चर्चा के दौरान दिए गए होमवर्क करने के बाद, अगले नियत दिन पर कक्षा में एक पीरियड, ग्रुप चर्चा और रिफ़्लेक्शन के लिए होगा। ये चर्चा बच्चे छोटे-छोटे ग्रुप्स में करेंगे जिसमें वे मुख्य प्रश्न पर बनी अपनी स्वयं की समझ के अनुसार, दूसरे लोगों से प्राप्त जवाबों और कुछ अन्य सम्बंधित बिंदुओं को चर्चा में शामिल करेंगे। यहाँ प्रत्येक ग्रुप द्वारा एक बच्चे का चुनाव किया जाएगा जो ग्रुप में हो रही चर्चा के मुख्य बिंदुओं को नोट करेगा। उसके बाद एक-एक कर सभी ग्रुप्स अपनी अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। ग्रुप चर्चा का उद्देश्य मुख्य प्रश्न पर बच्चों की समझ को व्यापक और सुदृढ़ बनाना है साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि बच्चा अपने विचारों को अभिव्यक्त करने में सक्षम बने।

क्लास एक्टिविटी

क्लासरूम चर्चा के अंतर्गत ही कहीं-कहीं पर क्लास एक्टिविटी दी गई है जिसका मकसद है कि बच्चे क्लास चर्चा में बनी सामूहिक समझ की जांच कर सकें और तथा अपनी व्यक्तिगत समझ का निर्माण कर सकें। यह एक्टिविटी क्लास चर्चा में दिए गए मुख्य प्रश्न पर बनी समझ को विस्तार देगी जिससे बच्चों की व्यक्तिगत समझ को विकसित करने का समय तथा जगह मिल सकेगी। इस एक्टिविटी के अंतर्गत प्रत्येक बच्चा अलग-अलग तरीकों से जैसे बोलकर, लिखकर या किसी अन्य रचनात्मक तरीके से चैप्टर के बारे में बनी अपनी समझ के बारे में प्रतिक्रिया देगा जैसे आँखे बंद कर सोचना, कहानी सुनकर अपने विचार देना, पत्र लिखना, सूची बनाना, आदि।

पाठ्यक्रम के DO's और DON'Ts

DO's	DON'Ts
क्लास शुरू करने से पहले चैप्टर को ध्यान से पढ़ना और उसके उद्देश्यों को समझना।	क्लास की शुरुआत से पहले चैप्टर न पढ़ना और क्लास में ही मैन्युअल से पढ़ाना।
मुख्य प्रश्न (Key question) को बोर्ड पर साफ-साफ लिखना फिर जोर से बोल कर पूछना।	मुख्य प्रश्न (Key question) को बोर्ड पर लिखे बिना ही सिर्फ बोलकर पूछना या प्रश्न के रूप को बदलकर पूछना।
प्रश्न पूछने के बाद बच्चों को सोचने का समय देना।	प्रश्न पूछने के बाद बच्चों को सोचने का समय न देना और तुरंत ही जवाब लेना।
यदि बच्चे किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाए हैं तो prompts की सहायता से चर्चा को सही दिशा में आगे बढ़ाना।	यदि बच्चे उत्तर नहीं दे पाए तो बिना चर्चा किये अपनी ओर से कोई उत्तर बता देना और अगले प्रश्न पर बढ़ जाना।
सभी बच्चों को चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।	चर्चा के दौरान कुछ ही बच्चों से बार-बार जवाब लेना और बाकी बच्चों की ओर ध्यान न देना।
सभी बच्चों के उत्तरों को सम्मान के साथ, बिना किसी भेदभाव के स्वीकार करना।	यदि किसी बच्चे के उत्तर से आप सहमत नहीं है तो उसकी आलोचना करना या अपने व्यक्तिगत विचार को सही उत्तर के रूप में प्रस्तुत करना।
सभी बच्चों द्वारा दिए गए जवाब/विचारों को सही या गलत ना कहना।	सभी बच्चों द्वारा दिए गए जवाब/विचारों को सही या गलत में बांटना।

DO's	DON'Ts
बच्चों को किसी भी प्रश्न का कोई निर्धारित उत्तर न देना, उन्हें स्वयं अपनी समझ विकसित करने देना।	प्रश्नों के निर्धारित उत्तर बच्चों को देना, उन्हें उसी दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करना जो आपके विचारों से मिलती है।
बच्चों की बात को धैर्य से सुनना और उनके प्रयास करने पर उन्हें प्रोत्साहित करना।	बच्चों की बात को धैर्य से ना सुनना और उन्हें हतोत्साहित करना- बच्चों की बात काटना और उनकी आलोचना करना।
बच्चो के मन में जो प्रश्न या विचार आ रहे हैं उन्हें क्लास में साझा करने के लिए उचित वातावरण देना।	बच्चों को प्रश्न पूछने या अपना विचार रखने से रोकना।
यदि क्लास में किसी संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा होती है तो अपनी ओर से कोई विचार न देना, बच्चों को स्वयं अपनी चर्चा से निष्कर्ष पर पहुँचने देना।	यदि बच्चे किसी संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करते हैं तो उन्हें रोक देना या उन मुद्दों पर अपने विचार रखना।
बच्चों को होमवर्क करके लाने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें क्लास में साझा करवाना। यदि कोई बच्चा होमवर्क नहीं कर पाता है तो उसे अधिक समय देना।	बच्चों के होमवर्क क्लास में साझा न करवाना। यदि कोई बच्चा होमवर्क नहीं करता है तो उसे डाँटना।

मैन्युअल का उपयोग कैसे करें

1

उद्देश्य

हर चैप्टर में सबसे पहले उद्देश्य दिए गए हैं। ये वे निर्धारित लक्ष्य हैं जिन्हें चैप्टर के अंत तक प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी।

2

समय-अवधि

सभी एक्टिविटीज़ को क्लास में पूरा करने के लिए एक अनुमानित निर्धारित समय दिया गया है। परंतु अगली एक्टिविटी पर जाने से पहले अध्यापक यह सुनिश्चित करें कि पिछली एक्टिविटी में सभी बच्चों ने भाग लिया है।

3

एक्टिविटी

एक्टिविटी

एक्टिविटी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की चर्चाएं कराई जानी हैं, जैसे- 'क्लासरूम चर्चा', 'ग्रूप चर्चा'; और 'रिफ्लेक्शन'।

4

मुख्य प्रश्न

हर एक्टिविटी में मुख्य प्रश्न दिए गए हैं जो सभी चर्चाओं तथा एक्टिविटीज़ का आधार होंगे।

5

सहायक प्रश्न

- *मुख्य प्रश्न के साथ दो प्रकार के सहायक प्रश्न दिए गए हैं- लीडिंग-प्रॉम्प्ट्स और फॉलो-अप प्रॉम्प्ट्स। लीडिंग-प्रॉम्प्ट्स जो मुख्य-प्रश्न तक पहुँचने में सहायता करेंगे तथा फॉलो-अप प्रॉम्प्ट्स जो मुख्य प्रश्न पर आधारित चर्चा को सही दिशा देने और आगे बढ़ाने में सहायक होंगे।*

6

क्लास-एक्टिविटी

बच्चों की व्यक्तिगत समझ को विकसित करने के लिए प्रत्येक चैप्टर में अलग-अलग प्रकार की क्लास एक्टिविटी दी गई है, जैसे- कहानी सुनना, पत्र लिखना, आँख बंद करके सोचना आदि।

7

होमवर्क

इस पाठ्यक्रम में हर मुख्य प्रश्न (Key question) पर आधारित होमवर्क दिया गया है। बच्चे होमवर्क में दिए गए प्रश्नों को अपने परिवार के सदस्यों तथा समाज के अन्य लोगों से पूछेंगे।

8

चैप्टर में नोट के रूप में कुछ ध्यान देने योग्य बातें दी गई है। अध्यापक इन्हें अवश्य पढ़ें।

अध्यापक के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हर देशभक्ति क्लास की शुरुआत 'देशभक्ति ध्यान' से करना।
- क्लासरूम चर्चा शुरू करने के लिए दिए गए लीडिंग प्राम्प्ट्स/प्रश्नों पर बच्चों के रिफ्लेक्शन लेना।
- बॉक्स में दिए गए मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखना और बच्चों से पूछना।
- बच्चों को 5-10 मिनट सोचने का समय देना, जिसमें वे 2-3 मिनट आंखें बंद करके या सहज स्थिति में बैठकर मुख्य प्रश्न के उत्तर के बारे में सोचेंगे।
- बच्चों द्वारा मुख्य प्रश्न के उत्तर को अपनी अपनी देशभक्ति डायरी में लिखना।
- इसके बाद बच्चों को एक-एक कर क्लासरूम चर्चा में अपने जवाबों को साझा करने के लिए कहना।
- चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा में ले जाने के लिए फॉलो-अप प्राम्प्ट्स/प्रश्नों को आवश्यकतानुसार एक-एक कर प्रयोग में लेना।

देशभक्ति ध्यान

- देशभक्ति की क्लास की शुरुआत में बच्चे रोजाना 5 मिनट पेज न.xiv पर दी गई माइंडफुलनेस प्रैक्टिस करेंगे और अपना ध्यान देश की ओर केंद्रित करेंगे।
- बच्चे संकल्प लेंगे की वे अपने देश का सम्मान करेंगे और रोज़ाना 5 देशभक्तों को याद करके उनका आभार व्यक्त करेंगे।

क्लासरूम चर्चा

- बच्चे जैसा भी जवाब दें, उन्हें यह एहसास कराए बिना कि अध्यापक उनके जवाब से सहमत या असहमत, संतुष्ट अथवा असंतुष्ट हैं, उनकी सराहना करना और उन्हें प्रेरित करना।
- किसी भी बच्चे के जवाब के बारे में सही या ग़लत होने का निर्णय ना देना, अन्यथा बच्चे अपने अंदर से इस प्रश्न का उत्तर खोजने की कोशिश नहीं करेंगे बल्कि अन्य बच्चों द्वारा पहले दिए गए जवाबों से प्रभावित होकर कोई जवाब ढूँढने की कोशिश करेंगे ।
- एक-एक कर सभी बच्चों को जवाब देने या अपने विचार अभिव्यक्त करने का पूरा अवसर देना।
- क्लास में एक फैसिलिटेटर की भूमिका निभाते हुए पूरी कोशिश करना कि क्लास का हर एक बच्चा अपने अंदर से कोई न कोई जवाब ज़रूर निकाले, भले ही वह टूटे-फूटे शब्दों या एक-दो वाक्यों में ही स्वयं को अभिव्यक्त क्यों न करें।

होमवर्क

- प्रत्येक मुख्य प्रश्न पर आधारित एक होमवर्क दिया गया है जिसमें बच्चा दिए गए प्रश्न को अपने घर, रिश्तेदार, मित्र और/या अपने आस-पड़ोस में अपनी उम्र से बड़े तीन लोगों से पूछेगा और उनके द्वारा दिए गए उत्तरों को देशभक्ति डायरी में नोट करेगा ।
- होमवर्क देने का मकसद है कि बच्चा अपने और स्कूल के बाहर, घर तथा समाज के लोगों के रिफ्लेक्शन को जोड़कर, विषय-वस्तु के बारे में अपनी खुद की समझ बना सके।
- अध्यापक द्वारा यह सुनिश्चित करना कि बच्चे दिए गए प्रारूप के अनुसार ही होमवर्क करें।

ग्रुप चर्चा और रिफ़्लेक्शन

- ग्रुप एक्टिविटी कराने का मक़सद है कि हर बच्चा मुख्य प्रश्न पर अपनी गहरी समझ बना सके।
- इसके लिए पूरी क्लास के बच्चों को 5 से 6 बच्चों के छोटे ग्रुप्स में बांटना ।
- अच्छा होगा यदि आसपास बैठे बच्चों के ही ग्रुप बनाए जाएं ताकि ग्रुप बनाने में ज्यादा समय ना लगे।
- बच्चे होमवर्क के दौरान, दूसरे लोगों द्वारा मिले जवाबों पर अपने-अपने ग्रुप में चर्चा करेंगे।
- ग्रुप डिस्कशन के दौरान यह सुनिश्चित करें कि ग्रुप का प्रत्येक बच्चा कम से कम एक-एक रिफ्लेक्शन ज़रूर दें।
- प्रत्येक ग्रुप अपने बीच में से ही एक बच्चे का चयन करे जो ग्रुप में हो रही चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा।
- चर्चा द्वारा ग्रुप की सामूहिक समझ बनने के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन पूरी क्लास में देंगे।
- ग्रुप एक्टिविटी के समापन के बाद, हर बच्चा घर जाकर अपनी नई समझ के अनुसार देशभक्ति डायरी में व्यक्तिगत रूप से रिफ्लेक्शन लिखेगा।
- यदि किसी बच्चे को स्वयं को अभिव्यक्त करने या लिखने में कोई परेशानी हो तो आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।

देशभक्ति ध्यान

रोज़ाना 5 मिनट

उद्देश्य

- इस एक्टिविटी का उद्देश्य देशभक्ति की हर क्लास की शुरुआत से पहले बच्चों का ध्यान देश की ओर केंद्रित करना है।

प्रतिदिन देशभक्ति क्लास की शुरुआत में देशभक्ति ध्यान एक्टिविटी करवाई जायेगी। इस एक्टिविटी में बच्चे अपने देश का सम्मान करने के साथ-साथ उसका मान बढ़ाने के लिए संकल्प लेंगे और रोजाना देशभक्तों को याद करके उनके प्रति मन ही मन धन्यवाद भी करेंगे।

यह एक्टिविटी निम्नलिखित चरणों में करवाई जायेगी-

- माइंडफुलनेस- एक्टिविटी के शुरुआती 1 मिनट में बच्चे अपनी सांसो पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। इधर-उधर के क्रियाकलाप या विचारों से अपना ध्यान हटाकर पूरी तरह से 1 मिनट के लिए अपनी सांसो पर ध्यान देंगे।

- 1 मिनट माइंडफुल-ब्रीदिंग करने के बाद बच्चों से मन ही मन अपने भारत देश को प्रणाम करने को कहें। इसके लिए अध्यापक बच्चों से कहें ताकि बच्चे मन ही मन यह दोहराएं- "मैं अपने देश को प्रणाम करता हूँ/नमन करता हूँ।" मैं अपनी भारत माता का आदर करता हूँ।

- अब अध्यापक बच्चों से एक संकल्प लेने के लिए कहें कि वे देश का सम्मान करेंगे तथा देश का मान बढ़ाएंगे। वे कभी कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे देश के मान-सम्मान में कोई कमी आए।

- अब बच्चों को कहें कि वह आंखें बंद किए हुए ही, मन ही मन कम से कम 5 ऐसे लोगों को याद करें जिन्हें वह देशभक्त मानते हैं और जिनके बारे में उन्हें लगता है कि उन्होंने देश में कोई योगदान दिया है। ऐसे 5 देशभक्तों को मन ही मन धन्यवाद देने के लिए कहें। ये देशभक्त स्वतंत्रता सेनानी भी हो सकते हैं, स्वतंत्रता के बाद का कोई व्यक्ति या कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसने देश के लिए कुछ विशेष किया हो। बच्चे अपने अनुसार देशभक्त चुन सकते हैं। यह ज़रूरी नहीं कि बच्चे रोज़ाना उन्ही पाँच लोगों को धन्यवाद दें। बच्चे अपनी समझ और याददाश्त के आधार पर रोज़ाना उन्हीं लोगों को अथवा किन्ही अन्य देशभक्तों को भी याद करके मन ही मन आंख बंद किए हुए उनका धन्यवाद कर सकते हैं।

होमवर्क फॉर्मेट

1. पहले व्यक्ति का नामः .....
   उनकी उम्रः .....
   उनका जवाबः .....
   .....
   .....

   उनका पताः .....
   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ताः (माता/पिता/भाई/बहन/दादा/दादी इत्यादि)

2. दूसरे व्यक्ति का नामः .....
   उनकी उम्रः .....
   उनका जवाबः .....
   .....
   .....

   उनका पताः .....
   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ताः (पडोसी/रिश्तेदार/दोस्त इत्यादि)

3. तीसरे व्यक्ति का नामः .....
   उनकी उम्रः .....
   उनका जवाबः .....
   .....
   .....

   उनका पताः .....
   आपसे उस व्यक्ति का रिश्ताः (पडोसी/रिश्तेदार/दोस्त इत्यादि)

पहला दिन

देशभक्ति माइंडसेट पाठ्यक्रम के पहले दिन की शुरुआत में बच्चों को, पेज नं.xiv पर दी गई, 'देशभक्ति ध्यान' की एक्टिविटी कराएं और 5 मिनट देशभक्ति ध्यान कराने के बाद बच्चों से उनके रिफ्लेक्शन लें। फिर बच्चों से पूछें कि 'देशभक्ति पाठ्यक्रम' नाम सुनते ही उनके मन में देशभक्ति से संबंधित क्या-क्या विचार आते हैं।

अब देशभक्ति पाठ्यक्रम का परिचय देने के लिए निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं को उनके साथ साझा करें ताकि वे देशभक्ति क्लास के लिए पहले से ही तैयार हो सकें-

- बच्चों को बताएं कि इस पाठ्यक्रम के लिए उन्हें अपनी-अपनी एक देशभक्ति डायरी तैयार करनी है जिसके लिए वे एक नई डायरी/नोटबुक/रजिस्टर ले सकते हैं और उसके कवर को अपनी रचनात्मकता के अनुसार सजा सकते है। साथ ही बच्चों को स्पष्ट निर्देश दे दें कि उन्हें हर देशभक्ति क्लास में अपनी डायरी अवश्य लेकर आनी है।

- बच्चों को स्पष्ट कर दें कि वे इस पाठ्यक्रम में बनी अपनी सभी लर्निंग, समझ, विचार, प्रक्रिया, अनुभव, होमवर्क आदि को देशभक्ति डायरी में लिखेंगे।

- बच्चों को बताएं कि हर चैप्टर के अंतर्गत क्लासरूम चर्चा, होमवर्क, ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन आदि विभिन्न एक्टिविटीज़ की जाएँगी।

- उन्हें पहले दिन ही पेज नं.xv पर दिए होमवर्क के फॉर्मेट और उसे करने के तरीके से अवगत करा दें।

- बच्चों को क्लासरूम चर्चा के स्वरूप से अच्छी तरह से परिचित करा दें।

- ग्रुप चर्चा के नियम भी बच्चों के साथ सहमति से पहले दिन ही तय कर लें।

अपने देश से प्यार और उसका सम्मान 1

उद्देश्य

- बच्चे देश की अवधारणा को समझ पाएंगे।
- बच्चे देश से प्यार और उसका सम्मान करने का अर्थ समझ पाएंगे।
- बच्चे प्यार करने और सम्मान करने की भावना में अंतर को अभिव्यक्त कर पाएंगे।
- बच्चे यह बता पाएंगे कि उनके किस-किस व्यवहार में देश के प्रति सम्मान दिखता है और किस व्यवहार में देश के प्रति सम्मान में अभी कुछ अधूरापन है।

एक्टिविटी 1.1

देश से प्यार

1.1.A: क्लासरूम चर्चा: देश से प्यार

लगभग 1 दिन

क्लास में रोज़मर्रा की सामान्य बातचीत के साथ ही शुरुआत में निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से बच्चों से पूछें-

क्या आप अपने देश से प्यार करते हैं? यदि हाँ/नहीं, तो क्यों?

बच्चे अपने पूर्व ज्ञान और समझ के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर देंगे। बच्चों द्वारा कुछ संभावित उत्तर इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे- "मैंने इस देश में जन्म लिया है", "मैं अपने देश की संस्कृति और गौरवपूर्ण इतिहास के कारण देश से प्यार करता/करती हूँ", "देश मुझे बहुत सी जीवन जीने की सुविधाएं देता है", आदि।

अब मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

देश से प्यार करने से आप क्या समझते हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए अगले पेज पर लिखे प्रश्न प्राम्प्ट्स के रूप में पूछे जा सकते हैं-

- *क्या देश से प्यार करना केवल एक भावना है?*
- *देश से प्यार के बारे में आपके मन में कैसे विचार उत्पन्न होते है?*
- *क्या आप अपने देश से प्यार करने की तुलना अपने किसी प्रियजन या किसी अन्य व्यक्ति के साथ कर सकते है? यदि हाँ, तो किसके साथ और क्यों?*
- *क्या देश के लिए आपके मन में माँ के समान भाव आता है? यदि हाँ, तो क्यों?*
- *देश से प्यार करने के पीछे आपका क्या कारण है?*
- *अच्छा, क्या बता सकते हैं कि आप देश की किस-किस चीज़ से प्यार करते हैं?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

1.1.B: देश से प्यार

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

देश से प्यार करने से आप क्या समझते हो?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

1.1.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। साथ ही उन्हें होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें-

- क्या स्कूल और स्कूल से जुड़ी हर चीज़ से प्यार करना देश से प्यार करना है?
- क्या अपने घर के आसपास सार्वजनिक चीजों और स्थानों जैसे पार्क, बस, कूड़ेदान, आदि का ध्यान रखना देश से प्यार करना है?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

- चर्चा के दौरान अध्यापक सभी ग्रुप्स को ध्यानपूर्वक ऑब्ज़र्व करें।
- इस पूरी एक्टिविटी में अध्यापक एक फैसिलिटेटर की भूमिका निभाएं।
- ग्रुप चर्चा के दौरान यह सुनिश्चित करें कि हर बच्चा अपने-अपने ग्रुप में कम से कम एक-एक रिफ्लेक्शन तो जरूर दें।

एक्टिविटी 1.2

देश क्या है?

1.2.A: क्लासरूम चर्चा: देश क्या है?

लगभग 1 दिन

पिछली क्लास में हम देश से प्यार के बारे में चर्चा कर चुके हैं। आज की चर्चा की शुरुआत निम्नलिखित प्रश्न से करें।

बच्चों बताइए कि:

- **अपने आसपास की किन-किन व्यक्तियों या वस्तुओं में आपको अपना देश भारत दिखाई देता है?**

सामान्यतः बच्चों से कुछ इस तरह के जवाब मिल सकते हैं जैसे- देश का तिरंगा झंडा, देश का नक्शा, देश के सैनिक, ऐतिहासिक इमारतें, संसद, इत्यादि।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

> जब आप कहते हैं कि आप अपने देश से प्यार करते हैं तो वास्तविकता में आपके लिए देश क्या है, जिससे आप प्यार करते हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

हम अक्सर अपने देश के बारे में बात तो करते हैं पर कभी इस पर विचार नहीं करते कि आखिर देश क्या है? चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न प्राम्प्ट्स के रूप में पूछे जा सकते हैं-

- *क्या देश का नाम ही केवल देश है?*
- *क्या देश का नक्शा ही देश है?*
- *क्या देश का तिरंगा ही देश है?*
- *क्या 'देश की मिट्टी, देश की जमीन ही देश है?*
- *क्या देश के लोग ही केवल देश है?*
- *क्या देश के पेड़-पौधे ही देश हैं?*
- *इसके अलावा देश और क्या है?*

नोट

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

1.2.B: देश क्या है?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

आपके लिए वास्तव में देश क्या है?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

1.2.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। साथ ही उन्हें होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें-

- क्या हमारे देश की विविधता भी देश है?
- क्या देश के लोग भी देश है?
- क्या आप भी देश हैं?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

नोट

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 1.3

देश का सम्मान

1.3.A: क्लासरूम चर्चा: देश का सम्मान

लगभग 1 दिन

पिछली क्लास की चर्चा के दौरान हम करके यह जान पाए कि अपने देश से प्यार करना क्या होता है और देश क्या होता है। आज हम चर्चा को आगे बढ़ाते हुए देश के सम्मान के बारे में बात करेंगे। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें-

- क्या अपने देश को प्यार करने के साथ-साथ आप उसका सम्मान भी करते हैं? अपने उत्तर के लिए कारण भी बताइये?
- आपके अनुसार सम्मान करना क्या होता है?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

> जब आप कहते हैं कि आप देश का सम्मान करते हैं, तो वास्तव में आप अपने देश की किस-किस चीज के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

एक-एक कर बच्चों की प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनें और उन्हें बोलने के लिए प्रेरित करें। चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछें-

- *क्या आप देश के किसानों के प्रति सम्मान रखते हैं यदि हाँ, तो क्यों और कैसे?*
- *क्या आप देश के मजदूर, स्कूल के गार्ड और सफाई कर्मचारी आदि सभी का सम्मान करते हैं? यदि हाँ, तो आप उनके प्रति सम्मान कैसे प्रदर्शित करते हैं?*
- *क्या आप देश के सैनिकों का सम्मान करते हैं?*
- *क्या सैनिकों के माता-पिता का सम्मान भी करते हैं? यदि हाँ, तो कैसे?*

नोट

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

1.3.B: देश का सम्मान

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

आप देश की किन-किन चीजों को सम्मान देते हैं?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

1.3.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें-

- क्या देश की सीमा पर खड़े सैनिक के माता-पिता को समाज में उतना सम्मान मिलता है जिसके वे हकदार हैं? आपके अनुसार हम सब को उन्हें कैसे सम्मान देना चाहिए?
- क्या हम सब के लिए अनाज पैदा करने वाले किसान को क्या आपकी समझ में उतना सम्मान मिलता है जिसके वे हकदार हैं? आपके अनुसार एक किसान को हम सब अपने-अपने स्तर पर कैसे सम्मान दे सकते हैं?
- क्या हमारे लिए सड़क, स्कूल, घर आदि बनाने वाले मजदूरों को समाज में उतना सम्मान मिलता है जिसके वे हकदार हैं? आपके अनुसार हमें इन सबको कैसे सम्मान देना चाहिए या कैसे सम्मान दे सकते हैं?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

नोट

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 1.4

प्यार और सम्मान में अंतर

1.4.A: क्लासरूम चर्चा: प्यार और सम्मान में अंतर

लगभग 1 दिन

पिछली क्लास में देश के सम्मान के बारे में बातचीत कर हम यह जान पाए कि देश की किस-किस चीज़ के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं। आज हम प्यार और सम्मान करने की भावना में अंतर के बारे में चर्चा करेंगे। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें-

- आपके अपने आसपास ऐसा क्या-क्या दिखता है जो आपके मन में देश के लिए सम्मान का भाव जगाता है?

सामान्यतः बच्चों से कुछ इस तरह के जवाब मिल सकते हैं जैसे- परिवार के बड़े लोग, अध्यापक, देश का तिरंगा झंडा, देश का नक्शा, देश के सैनिक इत्यादि।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

> क्या देश से प्यार करना और उसका सम्मान करना एक ही बात है या इनमें कुछ अंतर है?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

सम्भव है कि इस प्रश्न के लिए बच्चों की ओर से मिले-जुले जवाब आयें। हो सकता है कुछ बच्चे कहें कि देश का सम्मान करना और देश से प्यार करना एक ही बात है, और यह भी संभावना है कि कुछ बच्चे कहें कि इनमें कुछ अंतर है। यहाँ दोनों तरह के जवाब देने वाले बच्चों से उनके जवाबों के पीछे की वजह पूछ कर चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

बच्चों से कहें कि अब हम 'देश को प्यार करने' और 'देश का सम्मान करने' के अंतर को ठीक से समझने के लिए पहले प्यार और सम्मान के अंतर को समझेंगे। फिर बच्चों के सामने एक-एक कर निम्नलिखित उदाहरण रखें और साथ ही उन्हें बोर्ड पर भी एक-एक करके चर्चा के साथ-साथ लिखते रहें-

- *आप सभी अपनी कॉपी किताबों से बहुत प्यार करते हैं पर जब कोई कॉपी या किताब ज़मीन पर गिर जाती है या उस पर आपका पैर लग जाता है, तब आप क्या करते हैं?*
- *इसी प्रकार अगर आपकी पानी की बोतल या मनपसंद क्रिकेट का बल्ला ज़मीन पर गिर जाता है या उस पर आपका पैर लग जाता है तब आप क्या करते हैं?*

बच्चों से पूछें कि इन दोनों परिस्थितियों में जहाँ उनकी प्यारी कॉपी-किताबें, प्यारे क्रिकेट बैट या पानी की बोतल नीचे गिरती है तो उनके मन में क्या-क्या विचार तथा भाव आए? क्या दोनों परिस्थिति में उनके मन में एक ही समान विचार तथा भाव आए या उनमें कुछ अंतर था? **अगर बच्चे यह अंतर महसूस कर पाएं, तो यही अंतर होता है देश को प्यार करने तथा देश का सम्मान करने में।**

अब नीचे दिए कुछ और उदाहरण लेकर चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- *आपकी पसंदीदा प्यारी शर्ट आपके हाथ से छूट कर जमीन पर गिर जाए, तब आप क्या करेंगे?*
- *अगर देश का तिरंगा गलती से आपके हाथ से छूट कर नीचे गिर जाए, तब आप क्या करेंगे?*

बच्चों को यह समझने में मदद करें कि इन दोनों परिस्थितियों में हमारे मन में जो भाव आते हैं उसी से प्यार और सम्मान का अंतर समझा जा सकता है। शर्ट हमें प्यारी है, जो ज़मीन पर गिरने से गन्दी हो जाती है इसलिए हम प्यार के कारण उसे तुरंत उठाना चाहते हैं, लेकिन तिरंगा अगर नीचे गिरता है तो हमारे मन में उसे गन्दा न होने देने के भाव के साथ-साथ उसका अपमान न होने देने का भाव भी उठता है।

सजेस्टेड एक्टिविटी: बच्चों की जिंदगी से जुड़े हुए, इसी तरह के कुछ और उदाहरण भी इस संदर्भ में दिए जा सकते हैं जिन पर क्लास में चर्चा की जा सकती है।

अब नीचे दी गई एक्टिविटी क्लास में सामूहिक रूप से कराएं-

क्लास-एक्टिविटी

'घटनाओं पर प्रतिक्रिया लेना व भाव समझना'

नीचे दिए गए टेबल को बोर्ड पर बनाएं और क्लास में एक-एक घटना पर विचार कर सामूहिक रूप से चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि अगर उनके साथ ऐसी कोई घटना हुई हो तो ऐसे में वे क्या करते हैं। फिर बच्चों से यह भी बताने के लिए कहें कि वे ऐसा, प्यार के भाव के कारण करते हैं या सम्मान के भाव के कारण करते हैं?

घटना	घटना पर बच्चों की प्रतिक्रिया	प्रतिक्रिया का भाव
किताब पर पैर लगना		प्यार या सम्मान?
पानी की बोतल पर पैर लगना		प्यार या सम्मान?
क्रिकेट के बैट पर पैर रखना		प्यार या सम्मान?
शर्ट का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
रुमाल का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
घड़ी का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?
तिरंगे का नीचे गिरना		प्यार या सम्मान?

इस छोटी सी लेकिन सामूहिक एक्टिविटी का मकसद है कि बच्चे अपने मन में अलग-अलग घटनाओं के संदर्भ में समय-समय पर उठने वाले प्यार और सम्मान के भाव को समझ सकें।

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

1.4.B: प्यार और सम्मान में अंतर

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

क्या देश से प्यार करना और उसका सम्मान करना एक ही बात है या इनमें कुछ अंतर है?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

1.4.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। बच्चो को होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- क्या आप अपने आसपास के लोगों का सम्मान सिर्फ इस नियम के आधार पर कर सकते हैं कि सभी लोग मेरे देश के रहने वाले हैं इसलिए सभी का सम्मान करना चाहिए?
- यदि आप अपने जीवन में यह नियम बनाते हैं तो इसका पालन करने में आपको कहाँ-कहाँ और किस तरह की दिक्कतें आती हैं?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

नोट

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

देशभक्ति 2

उद्देश्य

- बच्चे देशभक्त और देशभक्ति का अर्थ समझ सकेंगे।
- बच्चे ये समझ सकेंगे कि आज भी हमें देशभक्त की आवश्यकता क्यों है, और वे कैसे होने चाहिए।
- बच्चे ये बता सकेंगे कि देशभक्तों का देश के लिए क्या योगदान होता है।
- बच्चे इस बात के लिए अपनी समझ बना सकेंगे कि देशभक्ति वास्तव में जीवन के हर एक पहलू से जुड़ी है।
- बच्चे व्यापक रूप से ये जान सकेंगे कि देश का हर एक व्यक्ति अपनी सोच, काम और व्यवहार से अपनी देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करता है और अपने देशभक्त होने का एहसास दिलाता है।
- बच्चे अपने मन में दबी देशभक्ति की भावना से परिचित हो सकेंगे और स्वयं अपनी देशभक्ति की जांच कर सकेंगे।

एक्टिविटी 2.1

हमारे स्वतंत्रता सेनानी

2.1.A: क्लासरूम चर्चा: हमारे स्वतंत्रता सेनानी

लगभग 1 दिन

यहाँ हम बच्चों के पूर्व ज्ञान के आधार पर देशभक्तों के बारे में बात करेंगे ताकि **यह जान सकें कि बच्चों को देशभक्तों के बारे में कितना ज्ञान है और उससे आगे उन्हें कैसे और कहाँ तक लेकर जाना है। यहाँ हम बच्चों को ज्ञात से अज्ञात की ओर लेकर जायेंगे।**

- हमारे देश के महान देशभक्त कौन-कौन रहे हैं? कुछ के नाम बताएं।
- आपका फेवरेट/मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी कौन है?
- क्या वह स्वतंत्रता सेनानी देशभक्त था?

इन प्रश्नों के उत्तर में बच्चे कई तरह के लोगों के नाम बोल सकते हैं जिन्हें भी वे देशभक्त के रूप में देखते हैं।
बच्चों से कहें कि आज का हमारा विषय 'देशभक्त' है और अब हम इसे जरा विस्तार से समझेंगे।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें–

> जब हम 'देशभक्त' शब्द बोलते हैं तो आपको क्या लगता है कि देशभक्त कौन है?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं–

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।

- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते है या संकेत भी दे सकते हैं-

- *आपका फेवरेट देशभक्त एक स्वतंत्रता सेनानी क्यों हैं?*
- *उन्होंने क्या काम किया था?*
- *उन्होंने जो भी किया था, उसे करने के पीछे क्या मंशा उनकी रही होगी?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

2.1.B: हमारे स्वतंत्रता सेनानी

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

जब हम 'देशभक्त' शब्द बोलते हैं तो आपको क्या लगता है कि देशभक्त कौन है?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

2.1.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें-

- आपका मनपसंद स्वतंत्रता सेनानी कौन है और क्यों है?
- स्वतंत्रता सेनानियों ने जो कुछ किया, उससे आज हमें क्या फ़ायदा मिल रहा है?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 2.2

वर्तमान में देशभक्तों की आवश्यकता

2.2.A: क्लासरूम चर्चा: वर्तमान में देशभक्तों की आवश्यकता

लगभग 1 दिन

अब तक हमने स्वतंत्रता से पहले के देशभक्तों जैसे महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, वीर सावरकर, मंगल पांडे, तात्या टोपे, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, आदि के काम और उस समय की परिस्थितियों के बारे में चर्चा की। उन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और बहुत से लोगों ने तो अपनी जान भी गंवा दी।

आज हम एक स्वतंत्र देश हैं, हमारी आज़ादी को लगभग 75 साल हो गए हैं और देश की वर्तमान परिस्थितियाँ भी पहले जैसी नहीं हैं। अब हम बात करते है स्वतंत्रता के बाद और वर्तमान परिस्थिति की। बच्चों से सामूहिक रूप से निम्नलिखित प्रश्न पूछें–

- तो क्या हमें आज़ादी के बाद भी देशभक्तों की जरूरत थी? यदि हां, तो क्यों?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें–

> क्या वर्तमान समय में भी देश को देशभक्तों की ज़रूरत है? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए।

अब नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं–

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

संभव है कि बच्चे उपरोक्त मुख्य प्रश्न का जवाब हाँ में ही दें। यह भी हो सकता है कि बच्चे स्पष्ट रूप से ये न बता पाएं कि आज भी देश को देशभक्तों की ज़रूरत क्यों है। बच्चों से कुछ संभावित उत्तर आ सकते हैं जैसे, हमें आज़ादी को संभाल कर रखना है, देश को दुश्मनों से बचाना है, देश का नाम रोशन करना है आदि।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं या संकेत भी दे सकते हैं–

- *वर्तमान परिस्थितियों में हमें कैसे देशभक्त चाहिए?*
- *क्या हमें आज भी देश की सीमा पर देशभक्त सैनिक चाहिए?*
- *क्या हमें अपने आस पास भी देशभक्त चाहिए?*
- *क्या हमें अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए देशभक्तों की जरूरत है?*
- *क्या हमें देशभक्त पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी, डॉक्टर, इंजीनियर, नेता, दुकानदार, अध्यापक आदि की जरूरत है? यदि हाँ, तो क्यों?*
- *क्या आप भी देशभक्त है? कोई एक उदाहरण देकर बताइए।*

नोट

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

2.2.B: वर्तमान में देशभक्तों की आवश्यकता

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

क्या आज भी देश को देशभक्तों की जरूरत है? अगर है, तो क्यों?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

2.2.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- एक देशभक्त के गुणों की सूची तैयार करें।
- क्या आप में एक देशभक्त होने के गुण हैं? सभी अपना-अपना कोई एक गुण बताएं।

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

नोट

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 2.3

देशभक्ति

2.3.A: क्लासरूम चर्चा: देशभक्ति

लगभग 1 दिन

बच्चों को बताएं कि अब तक हमने देश से प्यार, देश का सम्मान और देशभक्तों के बारे में बात की थी। अब हम 'देशभक्ति' जैसे अहम शब्द के बारे में चर्चा करेंगे। फिर बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें-

- आपके अनुसार देशभक्ति क्या है?

कुछ बच्चों से इसका जवाब लेकर फिर कहें कि **"चलिए, इस बात को और विस्तार से समझने के लिए हम एक कहानी सुनते हैं।"**

कहानी सुनाने से पहले बच्चों को स्पष्ट कर दें कि यहाँ ऐसा कहना मुश्किल है कि यह कहानी सच है अथवा इसे सही मायने में देशभक्ति को समझाने के लिए जापान के लोगों ने अपने मन से गढ़ा है। लेकिन इस कहानी के आधार पर हम कुछ ज़रूरी बातों पर चर्चा तो कर ही सकते हैं।

क्लास-एक्टिविटी

'आओ कहानी सुनें'

बच्चों से देशभक्ति से जुड़े व्यवहारों के बारे में चर्चा के बाद इस एक्टिविटी में बच्चों को नीचे दी गई कहानी सुनाएं ताकि बच्चे स्वयं ही ये निर्धारित करे सकें कि वे क्या सोचते हैं और ऐसा क्यों सोचते हैं?

कहानी इस प्रकार है-

जापान की एक बड़ी मशहूर कहानी है। सुना है वहाँ पर एक खतरनाक चोर रहता था। गाँव के लोग मेहनत से जो भी पैसा या खाने पीने का सामान कमाकर घर में रखते थे वह चोर चुरा कर ले जाता था। कभी-कभी अगर किसी घर में लोग जाग जाते थे तो वे उसका विरोध भी करते थे। विरोध करने पर चोर उनकी हत्या भी कर देता था। एक बार वह किसी के घर चोरी करने के इरादे से पहुँचा। वह जिस घर में चोरी करने पहुँचा, उस घर के मालिक ने ग्रामोफ़ोन पर राष्ट्रगान बजा दिया।

राष्ट्रगान सुनते ही चोर सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया। घर के मालिक ने चोर को बांधा और पुलिस बुला ली। चोर पर मुकदमा चला। कानून के मुताबिक उसे 1 महीने के लिए जेल में डाला जाना था, लेकिन अदालत ने चोर की देशभक्ति की तारीफ करते हुए उसे रिहा कर दिया।

कहानी सुनाने के बाद बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें-

- *क्या वह चोर अपने देश से प्यार करता था?*
- *क्या वह अपने देश का सम्मान करता था?*
- *क्या आपके अनुसार वह देशभक्त है?*
- *क्या आप उसकी देशभक्ति में कुछ अधूरापन भी देखते हैं?*
- *आपके अनुसार अदालत ने जो फैसला दिया क्या वह सही था? इस बारे में अपने तर्क दीजिए।*

हो सकता है कि कहानी में कुछ बच्चे चोर की देशभक्ति पर प्रश्न उठाएं और वहीं कुछ बच्चे चोर की देशभक्ति की सराहना भी करें। **उपरोक्त प्रश्नों को पूछने का मकसद बच्चों को यहाँ देशभक्ति के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करना है।**

इस कहानी के माध्यम से बच्चे देशभक्ति को लेकर अपनी अपनी राय रखेंगे। कोशिश करें कि सभी बच्चे अपने विचार खुलकर सबके साथ साझा करें। उनके किसी भी विचार को ग़लत या सही न बताएं बल्कि उनको स्वयं ही अपने विवेक से अपना निर्णय लेने की छूट दें।

कहानी सुनाने के बाद, देशभक्ति के बारे में बच्चों की समझ बनाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछें-

- क्या केवल राष्ट्रगान और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना ही देशभक्ति होती है?
- यदि हम अपनी देशभक्ति को अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान तक ही सीमित रहने दें तो क्या होगा?
- आपके विचार से देशभक्ति क्या होती है?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

आपके अंदर देशभक्ति की भावना कब-कब जागृत होती है?

अब नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते है या संकेत भी दे सकते है जिससे उन्हें इस बारे में समझने में आसानी होगी कि उनके अंदर देशभक्ति की भावना कब जागृत होती है -

- *26 जनवरी के दिन, 15 अगस्त के दिन?*
- *देशभक्ति के गीत सुनकर?*
- *मोबाइल पर देशभक्ति की कॉलर ट्यून सुनकर?*
- *देशभक्ति की फिल्में देखकर?*
- *अपने देश का तिरंगा लहराता हुआ देखकर?*
- *राष्ट्रगान को सुनकर?*
- *भारत को कोई मैच जीतता देखकर?*
- *देश की सीमा पर तनाव की खबरें सुनकर?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

उपरोक्त बिंदुओं पर कुछ देर चर्चा करें और बच्चों के जवाब आने दें। अब बच्चों के समक्ष अगला प्रश्न रखें-

- **क्या कभी-कभी देशभक्ति की भावना जागृत होना पर्याप्त है या यह देशभक्ति की भावना सदैव हमारे साथ रहनी चाहिए?**

संभवतः सभी बच्चे इस प्रश्न के उत्तर में कहेंगे कि हमें सदैव देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहना चाहिए। फिर बच्चों को बताएं कि उन्हें आगे दी गई होमवर्क वर्कशीट में कुछ परिस्थितियाँ दी गई हैं जिनमे उन्हें अपने विचार अभिव्यक्त करने हैं कि उन परिस्थितियों में वे देशभक्ति की भावना को महसूस करते हैं या नहीं।

इससे बच्चे अपने आसपास होने वाली सभी घटनाओं को देशभक्ति की भावना से जोड़कर खुद को लगातार सजग रख सकेंगे।

होमवर्क

2.3.B: वर्कशीट

नोट

बच्चों को निम्नलिखित प्रश्नों या परिस्थितियों को व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर करें और उन्हें कहें कि वे इन सभी परिस्थितियों की चर्चा अपने परिवारजनों के साथ मिलकर करें और उनकी प्रतिक्रिया अपनी देशभक्ति डायरी में नोट करें कि उनके मन में क्या विचार आते हैं और उनके पीछे क्या कारण होते हैं?

चर्चा के लिए परिस्थितियाँ:

1. जब आप महिलाओं का अपमान होते देखते हैं, उनके साथ छेड़छाड़ होते देखते हैं या बलात्कार की खबरें सुनते या पढ़ते हैं तो आपके मन में कैसे भाव उत्पन्न होते हैं?
2. अपने आसपास लड़के-लड़की में भेदभाव होते हुए देखकर।
3. अपने घर में या पड़ोस में महिलाओं के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार होते देखकर।
4. किसी बुजुर्ग के साथ दुर्व्यवहार होते हुए देखकर।
5. जब कोई व्यक्ति किसी को जाति-धर्म के आधार पर छोटा-बड़ा बताएं या उसके साथ गलत बर्ताव करे।
6. जब आपको पता चलता है कि जनता के जिस पैसे से देश के लिए स्कूल बन सकते थे, कहलेज खुल सकते थे, अस्पताल बन सकते थे, सड़कें बन सकती थी, ज्यादा बिजली बनायी जा सकती थी, साफ पानी का इंतजाम किया जा सकता था, किसानों और मजदूरों की मदद की जा सकती थी, वह भ्रष्टाचार में जा रहा हो।
7. जब आपको पता चलता है कि कोई बाजार में नकली मिलावटी सामान बेचकर देश के लोगों को धोखा दे रहा है।
8. कोई व्यक्ति अपना हाउस टैक्स या सेल्स टैक्स या इनकम टैक्स जो भी उस पर लागू होता है वह सरकार को ना दे कर चोरी कर रहा हो तो उसके बारे में जान कर।
9. जब कोई व्यक्ति बस या ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करता है।
10. यदि कोई व्यक्ति किसी काम के लिए रिश्वत ले रहा हो या रिश्वत लेकर कोई नाजायज काम कर रहा हो उसे देखकर।
11. जिन बच्चों की उम्र अभी स्कूल जाने की है उन्हें गरीबी के कारण या किसी और मजबूरी के चलते बाल मजदूरी करते हुए देखकर।
12. जब पता चलता है कि हमारे देश में शिक्षा की क्या हालत है और वहीं अमेरिका जैसे देशों में यह कितनी अच्छी हो गई है।
13. जब पता चलता है कि स्वास्थ्य सेवाओं की हालत ये है कि लोगों को समय पर इलाज नहीं मिलता।
14. जब कोई राष्ट्रगान के सम्मान में समय खड़ा ना हो या उसकी मजाक बनाकर का अपमान कर रहा हो तो उसे देखकर।

15. जब तिरंगे को सड़क पर पड़ा हुआ देखते हैं या उसका अपमान होते हुए देखते हैं।
16. अगर कोई व्यक्ति पानी का मीटर हटाकर या ना लगा कर पानी की चोरी कर रहा हो तो ऐसा होते देखकर।
17. कोई व्यक्ति बिजली का मीटर हटाकर, न लगाकर या काँटा डालकर बिजली की चोरी कर रहा हो तो बिजली की चोरी होते देखकर।
18. किसी को गुटखा, खैनी, पान आदि खाकर दीवार या सार्वजनिक स्थानों पर थूकते देखकर।

फिर, उदाहरण के लिए यहाँ एक परिस्थिति लें ताकि बच्चे समझ सकें कि उन्हें किस प्रकार प्रत्येक परिस्थिति पर अपनी अभिव्यक्ति करनी है –

- **अपने घर की टंकी से पीने का साफ पानी बेकार बहता देख कर आपके मन में क्या भाव आते हैं?**

बच्चों के संभावित उत्तर कुछ इस प्रकार के हो सकते हैं जैसे उन्हें अच्छा नहीं लगता, देशभक्ति की भावना नहीं आती, पानी बेकार जा रहा है, किसी के काम आता, हमें पानी बचाना चाहिए, हमने पहले कभी सोचा ही नहीं, कुछ विचार नहीं आता आदि।

- बच्चों से पूछें कि वे इस बारे में क्या प्रयास कर सकते हैं या उन्हें क्या करना चाहिए कि पानी बेकार न जाए?
- यदि बच्चे इस तरह की समस्याओं को रोकने के लिए कुछ नहीं करते हैं, तो उनसे पूछें कि वे क्यों कुछ नहीं कर पा रहे हैं? इसके पीछे क्या क्या कारण हो सकते हैं?

बच्चों को ऊपर दिए गए प्राम्प्ट्स की मदद से बोलने के लिए प्रेरित करें। **इस प्रकार की परिस्थितियों पर सोच-विचार का मकसद, बच्चों का ध्यान, इस ओर दिलाना है कि ऐसे में हमारे देश के संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है, जो देशभक्ति बिल्कुल नहीं है।**

2.3.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

इस रिफ्लेक्शन एक्टिविटी के लिए, अध्यापक होमवर्क वर्कशीट 2.3.B में दी गई 18 परिस्थितियों को क्लास में बने ग्रुप्स के अनुपात में बांट दें ताकि सभी परिस्थितियों पर चर्चा हो सके।

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 2.4

देशभक्ति में रुकावट क्यों?

2.4.A: क्लासरूम चर्चा: देशभक्ति में रुकावट क्यों?

लगभग 1 दिन

पिछली एक्टिविटी के दौरान बच्चों ने यह समझने की कोशिश की कि वे कौन से कारण है जो हमारे देशभक्ति के काम करने में रुकावट पैदा करते हैं। विभिन्न परिस्थितियों के माध्यम से हमने उन कारणों की जाँच भी की। किस परिस्थिति में हम क्या सोचते हैं, हमें इसके लिए क्या करना चाहिए? क्या हम कुछ कर पाते हैं, क्या नहीं कर पाते और क्यों नहीं कर पाते आदि बिंदुओं पर विस्तार से बात की। अब बच्चे देशभक्ति की भावना में रुकावट/बाधा का अपनी दिनचर्या के संदर्भ में अध्ययन करने की कोशिश करेंगे। फिर बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें-

- क्या कभी दैनिक जीवन में ऐसी परिस्थितियाँ भी आती हैं जब आप चाहकर भी दूसरों की मदद नहीं कर पाते?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

> क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि आप कुछ भलाई का काम करना तो चाहते थे पर चाह कर भी कर नहीं सके? कोई उदाहरण देकर बताएं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते है या संकेत भी दे सकते हैं-

- *यह जानते हुए कि पॉलिथीन बैग पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है, फिर भी हम उनका इस्तेमाल करते हैं। क्या आपने कभी इस बारे में सोचा और कुछ किया?*
- *क्या आप सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मदद करने से रुक जाते हैं? यदि हाँ, तो क्यों?*
- *यह जानते हुए भी कुछ लोग रिश्वत लेकर काम करते हैं पर हम उनके शिकायत करने से रुक जाते हैं, ऐसा क्यों?*

उपरोक्त बिंदुओं के कारणों तक पहुंचने के लिए चर्चा के दौरान निम्नलिखित संकेत दिए जा सकते हैं-

- *क्या हम आलस्य में रह जाते हैं?*
- *क्या हम लापरवाही में रह जाते हैं?*
- *क्या हमारे मन में कोई डर है?*
- *क्या ये सोचते हैं कि हम ही पंगा या मुसीबत क्यों मोल लें?*
- *क्या ये सोचते हैं कि कोई और कर लेगा?*
- *क्या ये लगता है कि मैं अकेला क्या कर सकता हूँ?*
- *क्या ये सोचते हैं कि घरवाले और दोस्त कहेंगे कि तुम ही क्यों चक्कर में पड रहे हो?*
- *क्या ये लगता है कि इसके लिए कुछ एक्स्ट्रा काम करना पड़ेगा?*
- *क्या आप यह सोचते हैं जो भी हो रहा है, हमें उससे क्या मतलब?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

2.4.B: देशभक्ति में रुकावट क्यों?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि आप कुछ भलाई का काम करना तो चाहते थे पर चाह कर भी कर नहीं सके? कोई उदाहरण देकर बताएं?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

2.4.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार बच्चों को छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- दैनिक जीवन के किन-किन कामों में देशभक्ति की भावना में रुकावट महसूस होती है?
- इस रुकावट को दूर करने के लिए हम क्या-क्या प्रयास कर सकते हैं?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

मेरा देश- मेरा गौरव 3

उद्देश्य

- हर भारतीय नागरिक को अपने देश पर गर्व महसूस करवाने वाली सूचनाओं, तथ्यों तथा तर्कों को बच्चे जान पाएंगे।
- बच्चे यह समझ सकेंगे कि देश के लोगों की सोच, उनका व्यवहार, उनका आचरण आदि भी देश के गौरव को बढ़ा या घटा सकते हैं।
- बच्चे देश का गौरव बढ़ाने वाले व्यवहारों तथा देश का गौरव घटाने वाले व्यवहारों में अंतर कर पाएंगे।
- बच्चे देश के गौरव को बढ़ाने में अपनी भूमिका की पहचान कर पाएंगे।

एक्टिविटी 3.1

अपने देश पर गर्व

3.1.A: क्लासरूम चर्चा: अपने देश पर गर्व

लगभग 1 दिन

बच्चों से कहें कि हमने अब तक अपनी पिछली एक्टिविटीज़ में जाना कि-

- देश क्या होता है,
- देश से प्यार का क्या मतलब है,
- देश का सम्मान करने का क्या मतलब है,
- देशभक्ति क्या है,
- देशभक्त कौन है, आदि।

अब हम देश की महानता और देश के प्रति गर्व की भावना पर चर्चा करेंगे। चर्चा को शुरू करने से पहले बच्चों के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें -

- आपको स्वयं की किन-किन बातों पर गर्व होता है?
- आप कौन-कौन से ऐसे काम करते हैं जो आपको अपने परिवार का गौरव बनाते हैं?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

कोई भी व्यक्ति अपने देश भारत पर गर्व क्यों करता है?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

फिर बच्चों को गर्व के कुछ मुख्य कारणों से परिचित कराएं जो प्रश्नों के रूप में नीचे दिए गए हैं -

- *क्या आपके कोई व्यक्तिगत या निजी कारण है, जिनकी वजह से आपको अपने देश पर गर्व है?*
- *क्या आपको देश के इतिहास की उपलब्धियों पर गर्व है?*
- *क्या आप देश के इतिहास और वर्तमान की कुछ उपलब्धियों के बारे में बता सकते हैं?*
- *क्या देश के उज्ज्वल भविष्य के कारण आपको देश पर गर्व है?*
- *देश के इतिहास में हुए महापुरुषों से मिली प्रेरणा के कारण?*
- *देश में आज यानी वर्तमान में मौजूद महापुरुषों के कारण?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।

होमवर्क

3.1.B: अपने देश पर गर्व करने के कारण

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

आप अपने देश भारत पर गर्व क्यों करते है? कारणों की सूची बनाएं।

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

3.1.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

- बच्चों से कहें कि आज हम अपने देश से सम्बन्धित कुछ सार्वजनिक लेकिन विशेष तथ्यों, सूचनाओं और तर्कों आदि के बारे में जानेंगे जो निश्चित ही देश पर गर्व करने के ठोस कारण हैं। इसके लिए अगले पेज पर 10 ठोस कारणों को क्लास में बनाए गए ग्रुप्स के अनुपात में बाँट दें ताकि सभी तथ्यों पर चर्चा की जा सके और बच्चे इस बारे में अपनी खुद की कुछ समझ बना सकें।

सजेस्टेड एक्टिविटी: अध्यापक पहले से ही व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बच्चों को इन ठोस कारणों की सूची दे सकते हैं ताकि बच्चे इस संबंध में या इस बारे में पहले से ही सोच विचार कर अपनी खुद की कुछ समझ बना सकें।

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

'अपने देश पर गर्व करने के कुछ ठोस कारण'

- अपने 10000 साल के इतिहास में भारत ने कभी किसी देश या जाति पर आक्रमण नहीं किया। हम हमेशा से एक शांतिप्रिय और मेहनतकश लोगों का देश रहे हैं। हमने सारी दुनिया को अपना परिवार माना है और वसुधैव कुटुम्बकम् का सिद्धांत दुनिया को दिया है। **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- भारतीय इतिहास के पन्नों को पलट कर देखा जाए तो उसमें एक ऐसे दौर का जिक्र भी मिलता है जब भारत की संपन्नता और सोने के सिक्कों के चलन ने भारत को दुनिया भर में सोने की चिड़िया बना दिया। पूरा विश्व भारत को सोने की चिड़िया के तौर पर जानता था।[1] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- शून्य की खोज भारत ने करके दुनिया को दी उसके बाद ही दुनिया के अन्य देशों में गिनती का आविष्कार हुआ। गौर करने वाली बात यह भी है कि भारत में शून्य की खोज लगभग आज से 1500 साल पहले आर्यभट्ट नाम के हमारे महान गणितज्ञ ने की थी। यह इस बात का प्रमाण है कि 1500 साल पहले गणित और विज्ञान में नए अनुसंधान करने में हमारी गति इतनी तेज थी।[2] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने 5000 साल पहले योग का अनुसंधान किया जिसमें सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शारीरिक अभ्यास पर ही नहीं बल्कि मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान को भी महत्व दिया गया। शरीर और मन के इसी संयुक्त अभ्यास को शरीर और मन के स्वस्थ रखने के लिए योग का नाम दिया गया, जिसे आज सारी दुनिया 'योगा' के नाम से जानती है।[3] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- विश्व की सबसे पहली औपचारिक शिक्षा की यूनिवर्सिटी तक्षशिला विश्वविद्यालय के नाम से भारत में ही बनी थी। वह भी लगभग 3000 वर्ष पहले स्थापित हुई थी। इसमें पूरी दुनिया के 10,500 से अधिक छात्र अध्ययन करने के लिए आते थे और 60 से अधिक विषयों को पढ़ाया जाता था। अब से लगभग 2400 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रमणकारी सिकंदर के आक्रमण के समय तक्षशिला विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय ही नहीं था बल्कि उस समय के चिकित्सा शास्त्र यानी मेडिकल साइंस का एकमात्र सर्वोपरि केंद्र था।[4] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- मानव जाति द्वारा जानी गई सबसे प्रारंभिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का अनुसंधान भी भारत में ही हुआ।[5] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- भारतीय मंगलयान का अपने प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश करना। भारत ने अपने पहले ही प्रयास में चँद्रमा की पड़ताल के लिए भेजे जाने वाले चँद्रयान को लॉन्च करने में सफलता अर्जित की और चँद्रमा की मिट्टी में पानी के कणों की मौजूदगी की खोज भी की। घरेलू संचार के लिए सेटेलाईट विकसित करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है।[6] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- भारत को सारी दुनिया में बुद्ध, नानक, कबीर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी के देश के रूप में भी जाना जाता है। सारी दुनिया में लोग बड़े सम्मान से इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारत में इतने महान और ईश्वरीय व्यक्तित्व हुए हैं जिनसे आज भी सारी दुनिया जीवन जीने की प्रेरणा लेती है। **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- ऐतिहासिक दृष्टि से अवलोकन करें तो भारत में लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली का आरंभ पूर्व वैदिक काल से ही हो गया था। प्राचीन काल से ही भारत में सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था विद्यमान थी। इसके साक्ष्य प्राचीन साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों से प्राप्त होते **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**
- भारत गणराज्य दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा यहाँ रहता है। यूरोपीय संसद 2014 के अनुसार, 1267 मिलियन निवासियों के साथ, जिनमें से 834 मिलियन मतदान कर सकते हैं, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।[8] [9] **क्या यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है या नहीं?**

एक्टिविटी 3.2

मेरा देश-मेरा गौरव

3.2.A: क्लासरूम चर्चा: मेरा देश-मेरा गौरव

लगभग 1 दिन

अब तक हमने पिछली एक्टिविटीज़ में देश के लिए गर्व की भावना के विभिन्न कारणों को समझने की कोशिश की। अब हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि देश के गौरव को बढ़ाने और घटाने में देश के लोगों का ही हाथ होता है। साथ ही हम बच्चों को अपने अंदर झाँकने और ये समझ बनाने का अवसर भी देंगे कि वे भी अपने देश का गौरव बन सकते है। इस समझ को बनाने के लिए बच्चों के समक्ष दो महत्त्वपूर्ण प्रश्न एक-एक कर पूछें-

- क्या आप मानते हैं कि आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उससे देश का गौरव बढ़ रहा है?
- ध्यान से सोचें और बताएं कि क्या ऐसा भी कुछ है जिसमें आपकी देश के लिए गौरव की भावना में अभी कुछ अधूरापन है?

बच्चों को अपनी समझ के अनुसार इन प्रश्नों के जवाब देने की पूरी आज़ादी दें और क्लास में इस बारे में गहराई से चर्चा करें क्योंकि बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं। अगर उन्हें ये बात समझ आ गई कि किसी व्यक्ति के विचार, उसकी सोच, उसका आचरण, देश के गौरव से सीधा-सीधा जुड़ा है, तो वे अपनी सोच और आचरण का ध्यान रखना धीरे-धीरे सीख जाएंगे।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

> आप किस तरह से देश का गौरव बढ़ा सकते हैं? अपने वर्तमान और अपने भविष्य के बारे में सोचते हुए बताएं।

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए नीचे कुछ उदाहरण दिए गए हैं जिससे बच्चे अपने देश का गौरव बढ़ा सकते हैं, जैसे-

- *पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई करके,*
- *अपने जीवन में कोई लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए पूरा प्रयास और मेहनत करके,*
- *सभी धर्मों का सम्मान करके,*
- *सभी प्रकार के व्यवसायों के लोगों का सम्मान करके*
- *देश के विकास में सहयोग देकर, जैसे बड़े होने पर जहब करके या दूसरे लोगों को नौकरी प्रदान करने वाला बनकर, किसी प्रकार का अनुसंधान करके आदि।*

- सभी उदाहरण एक साथ न दें और इनके बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को इस बारे में सोचने और स्वयं की कुछ समझ बनाने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

3.2.B: मेरा देश-मेरा गौरव

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

आप अपने आचरण से किस तरह से देश का गौरव बढ़ा सकते हैं?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

3.2.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

बच्चों को यह समझ विकसित करने में मदद करें कि देश के लोगों का व्यवहार, आचरण, सोच, जीने के तरीको, आदि का असर देश के गौरव पर भी पड़ता है। हम अपने कामों से, अपने व्यवहार और आचरण से, अपने देश का गौरव बढ़ा भी सकते हैं और घटा भी सकते हैं। इस बारे में नीचे दी गई एक्टिविटी बच्चों के साथ क्लास में करें।

क्लास-एक्टिविटी

'देश का गौरव और हमारा आचरण'

बच्चों को निम्नलिखित परिस्थितियों के बारे में एक-एक कर पूछें और फिर अपने अपने ग्रुप में चर्चा करके, अपने जवाब देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। किसी भी रूप में, बच्चों को अपने विचार न दें, नहीं तो वे उसे बिना सोचे समझे उन्हें स्वीकार कर लेंगे और असली भाव को नहीं समझ सकेंगे।

क्रम संख्या	परिस्थिति का ब्यौरा	तिरंगे का गौरव बढ़ता है।	तिरंगे का गौरव घटता है।	कोई अन्य टिप्पणी
1.	जब कोई व्यक्ति किसी ट्रैफ़िक अफ़सर के न होने पर रेड लाइट पार कर ट्रैफिक के नियमों को तोड़ता है?			
2.	जब एक व्यक्ति जो देश पर किसी मुसीबत जैसे कोरोना आदि के आने पर बिना किसी निजी फ़ायदे के देशवासियों की मदद करता है?			
3.	जब कोई व्यक्ति बाहर तो वुमन एम्पावरमेंट और लड़के-लड़की की समानता की बात करता है पर अपने ही घर के अंदर स्त्रियों का सम्मान नहीं करता या उनका शोषण करता है?			
4.	जब कोई अपने धर्म के साथ-साथ देश के सभी धर्मों को एक जैसा सम्मान दे?			
5.	जब कोई व्यक्ति सभी लोगों का सम्मान करे चाहे वो किसी भी व्यवसाय या काम धंधे से जुड़ा हो?			
6.	जब कोई व्यक्ति अपने देश की संपत्ति को नुकसान पहुँचाता है?			
7.	जब कोई कामचोर और आलसी न हो और अपना काम पूरी मेहनत, ईमानदारी और खुशी से करता है?			
8.	जब कोई व्यक्ति अपने आसपास रहने वाले जानवरों और पक्षियों को खाना-पानी या चोट लगने पर चिकित्सा आदि देकर उनकी देखभाल करे?			
9.	जब कोई व्यक्ति यमुना में किसी प्रकार की सामग्री, कूड़ा-कचरा आदि फेंकता है जिसकी वजह से नदी का पानी गन्दा होता है?			
10.	जब कोई व्यक्ति रिश्वत लेकर या देकर अपना काम करवाता है?			
11.	जब कोई व्यक्ति ज़रुरत पड़ने पर देश के लिए अपनी सुख-सुविधाएं छोड़ता है?			
12.	जब कोई व्यक्ति देश के लिए जान तक कुर्बान करने का जज़्बा रखता है?			

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

मेरा भारत महान फिर भी विकसित क्यों नहीं? 4

उद्देश्य

- बच्चे हमारे देश भारत का महान अतीत होने के बावजूद भी उसके विकसित देश न हो पाने का कारण समझ पाएंगे।
- आज़ादी के 75 वर्षों के बाद भी हमारे देश को विकासशील देशों की श्रेणी से विकसित देश की श्रेणी में न ला पाने की कमियों और गलतियों की पहचान कर पाएंगे।
- बच्चे भारत के विकसित देश बनने में आ रही बाधाओं के कारणों पर अपनी समझ बना पाएंगे।
- बच्चे अपनी पूरी पीढ़ी के साथ अपने देश भारत को एक विकसित देश बनाने का संकल्प लेंगे।

एक्टिविटी 4.1

मेरा देश विकसित क्यों नहीं?

4.1.A: क्लासरूम चर्चा: मेरा देश विकसित क्यों नहीं? लगभग 1 दिन

अब हम बात करेंगे कि हमारा देश दुनिया के बाक़ी देशों के मुकाबले में आज कहाँ खड़ा है और दुनिया के छोटे बड़े देशों के सामने भारत की स्थिति क्या है? दुनिया में तीन तरह के देश होते हैं। अब देशों के निम्नलिखित तीन प्रकारों के नाम, क्लास के बोर्ड पर लिख दें और इनके बारे में बच्चों को संक्षेप में बताएं-

- विकसित देश
- विकासशील देश
- अल्पविकसित देश।

चर्चा के माध्यम से बच्चों को समझाएँ कि-

- जिन देशों में गरीब जनसंख्या बहुत कम होती है और बेरोजगारी का स्तर भी कम होता है, वे विकसित देश कहलाते हैं।
- जिन देशों में गरीब जनसंख्या ज्यादा होती है और साथ ही बेरोजगारी की समस्या भी होती है, उन्हें विकासशील देश कहा जाता है।
- जिन देशों में गरीब जनसंख्या बाक़ी देशों से बहुत अधिक होती और जहाँ बहुत ज्यादा बेरोजगारी है, उन्हें अल्पविकसित देशों की श्रेणी में रखा जाता है।

ऐसा हो सकता है कि बच्चों ने कुछ देशों के नाम पहले भी सुन रखे हों और उनके बारे में अपने कोई विचार भी बनाएं हों। उन्हें अपनी समझ के अनुसार इन तीनों प्रकार के देशों के कुछ उदाहरण देने के लिए कहें। चर्चा के दौरान उनसे निम्नलिखित प्रश्न ज़रूर पूछें-

- *हमारा देश भारत किस श्रेणी में आता है- विकसित, विकासशील या अविकसित?*
- *आप अपने आसपास क्या-क्या समस्याएं देखते हैं?*

- *हमारे देश में क्या ऐसी समस्याएं हैं जिनके कारण हमारा देश विकासशील श्रेणी में आता है?*

यहाँ इस टॉपिक को रखने का मकसद बच्चों को विकसित देशों की पूरी अवधारणा समझाना नहीं है बल्कि उनके संज्ञान में यह लाना है कि दुनिया में बहुत सारे देश विकसित हो चुके हैं जबकि भारत अभी भी विकासशील देशों की श्रेणी में ही आता है।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें–

अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में आप खुद को या अपने आसपास के लोगों को कौन-कौन सी समस्याओं से जूझते हुए देखते हैं जो हमारे देश को एक विकसित देश बनाने में रुकावट पैदा करती हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं–

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

बच्चों को सोचने के लिए निम्नलिखित प्राम्प्ट्स या संकेत दे सकते हैं–

- *हमारे देश की क्या-क्या बड़ी समस्याएं हैं?*
- *क्या आप के आस-पास भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो आपके मोहल्ले, पड़ोस और शहर में विकास में बाधक हैं?*
- *क्या कुछ समस्याएं भी हैं जो दिखने में तो मामूली लगती है पर देश के विकास में बाधक होती हैं?*

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।
- बच्चों को सकारात्मक व अनुकूल वातावरण प्रदान करें और बहुत धैर्य के साथ प्रत्येक बच्चे को स्व-चिंतन कर इन प्रश्नों का जवाब ढूंढने के लिए प्रेरित करें जिससे वह आत्मविश्वास के साथ क्लास में अपने विचार सबके साथ साझा कर सकें।

होमवर्क

4.1.B: मेरा देश विकसित क्यों नहीं?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में आप खुद को या अपने आसपास के लोगों को कौन-कौन सी समस्याओं से जूझते हुए देखते हैं जो हमारे देश को एक विकसित देश बनाने में रुकावट पैदा करती हैं?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

4.1.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

इस ग्रुप एक्टिविटी का मकसद यही है कि बच्चे अपने आसपास की समस्याओं की ओर ध्यान दें, ताकि वे उनके प्रति सजग और संवेदनशील बन सकें।

अगर ग्रुप एक्टिविटी में बच्चों की ओर से निम्नलिखित में से कुछ समस्याओं का ज़िक्र न हो तो उनका ध्यान नीचे दी गई समस्याओं पर ज़रूर दिलाएँ, जैसे-

- बेरोजगारी
- गरीबी
- महंगाई
- जुआखोरी
- अच्छे स्कूल कॉलेजों की कमी, शिक्षा का व्यापारीकरण
- अंधविश्वास
- बाल विवाह, बाल मज़दूरी

- दहेज़ प्रथा
- परिवारों में लड़के-लड़कियों के अधिकारों में अंतर रखना
- जातियों में ऊँच-नीच, धर्म के आधार पर झगडे, क्षेत्रवाद के झगड़े
- अपनी मातृभाषा के प्रति हीन भाव, अंग्रेजी भाषा न आने पर हीनता का भाव
- स्कूलों, कॉलेजों, कॉलोनियों में, पब्लिक ट्रॉंसपोर्ट व सार्वजानिक स्थलों पर महिलाओं से छेड़छाड़ और बदसलूकी
- अपराध, नशा, धूम्रपान, गुटखा तम्बाकू का सेवन
- भ्रष्टाचार
- रिश्वतखोरी दलाली
- अच्छे अस्पतालों की कमी
- गंदगी, प्रदूषण
- बिजली की कमी, पीने के लिए साफ़ पानी की कमी
- बाज़ारों में नकली और मिलावटी सामान का बिकना

इन समस्याओं पर कुछ देर चर्चा करें और बच्चों को अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करें कि आखिर वे इन समस्याओं के बारे में क्या सोचते हैं।

प्रत्येक ग्रुप में एक-एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 4.2

आखिर गलती कहाँ हुई?

4.2.A: क्लासरूम चर्चा: आखिर गलती कहाँ हुई? लगभग 1 दिन

- पिछली एक्टिविटीज़ में हुई चर्चा से बच्चों में यह समझ बन चुकी होगी कि विकसित देशों का जीवन स्तर और सुविधाएं, विकासशील देशों से बेहतर है। बच्चों से कहें कि अब हम आगे की इस चर्चा में यह जानने की कोशिश करेंगे कि आखिर हमसे गलती कहाँ हुई कि आजादी के 75 सालों के बाद भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल नहीं हो सका।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें–

आज़ादी के 75 सालों के बाद भी हमारा देश एक विकासशील देश ही है और हम विकसित देश नहीं बन पाए। आपकी नज़र में, आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न है, जिसका उद्देश्य है कि बच्चे इस बारे में विचार कर सकें कि भारत को आज़ाद हुए लगभग 75 साल हो गये और फिर भी हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में नहीं आता, इसमें कहीं न कहीं तो हमसे ही गलती हुई है। अध्यापक यही कोशिश करें कि बच्चे इस बारे में चर्चा करके, अपने अंदर से ही इस सवाल का जवाब ढूंढ सकें कि आखिर हमसे गलती कहाँ हुई?

बच्चों को अपने मन में उठ रहे भावों को व्यक्त करने का पूरा अवसर दें क्योंकि तभी वे इस बात की जड़ तक जा सकेंगे कि हमारा देश अभी तक भी विकासशील देश क्यों हैं और इस बारे में अपनी समझ बना सकेंगे। चर्चा को सही दिशा देने के लिए, हमारे देश के बारे में, नीचे कुछ संकेतात्मक प्रश्न दिए हैं जो बच्चों के मन में इस भाव को पैदा करने में मदद करेंगे–

इस एक्टिविटी में नीचे दिए गए प्रश्नों पर एक-एक कर चर्चा करें। अध्यापक अपनी और से इन प्रश्नों का जवाब देने की कोशिश ना करें बल्कि प्रयास करें कि चर्चा में क्लास का हर एक बच्चा इन सवालों को अपने अंदर गहराई तक़ बिठा पाए और साथ में इन सवालों का जवाब तलाशने की भरसक कोशिश करें। इनके कोई सुनिश्चित जवाब बनाने का प्रयास अभी ना करें।

1 जो देश दुनिया भर में कभी "सोने की चिड़िया" कहलाता था, आज आज़ादी के 75 वे साल में भी उसकी गिनती दुनिया के विकसित देशो में नहीं हो रही और वह लम्बे समय से केवल विकासशील देश बना हुआ है।[10] ऐसा क्यों है?
आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

2 हज़ारों सालों तक भारत की पहचान पूरी दुनिया में ''सोने की चिड़िया'' के रूप में थी। परंतु आज सारी दुनिया की गरीब आबादी का **20% हिस्सा भारत में रहता है।**[11]
आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

3 हमारे देश में तमाम प्रगति होने के बावजूद **लगभग 22% लोग, यानी 27.5 करोड़ लोग पूरे दिन मेहनत करके भी, केवल 35 रुपए से कम कमा पाते है।** ऐसे में उस व्यक्ति के लिए दो वक्त की रोटी जुटा पाना ही कितना मुश्किल होता है। ऐसा क्यों है?[12]
आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

4 आज **भारत का एक व्यक्ति एक साल में औसतन 5 लाख रुपए कमाता है,** वही अमेरिका में एक व्यक्ति सालाना 49 लाख कमाता है। वे देश जैसे ब्राज़ील, साउथ अफ्रिका, रूस, चीन; जिनकी तुलना भारत से की जाती है, वहाँ भी एक व्यक्ति 9 लाख से लेकर 20 लाख तक कमाता है। यहाँ तक की जापान और जर्मनी जैसे देश भी, जो लगभग 75 साल पहले ही विश्व युद्ध से पूरी तरह बर्बाद हुए, वहाँ भी इतनी तरक्की हो चुकी है कि एक व्यक्ति सालाना लगभग 32 लाख (जापान), 41 लाख (जर्मनी) कमा लेता हैद्य यहाँ सोचने वाली बात यह है कि हमारा देश जिसने इतने भयावह युद्ध की त्रासदियां भी नहीं झेली, आज़ादी के 75 साल बाद भी इतना पीछे क्यों है?[13]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गयी?

5 जिस भारत ने दुनिया को स्वस्थ रहने के लिए योग सिखाया, आयुर्वेद दिया, मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) सर्जरी दी,[14] उस **भारत की आज़ादी के 75वें साल में हालत ये है, कि प्रति 1000 लोगो पर केवल 0.5 बेड्स उपलब्ध है** जबकि अमेरिका में प्रति 1000 लोगों पर 2.9, जर्मनी में 8, जापान में 13 और फ्रांस में 2.9 बेड्स है।[15]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

6 संयुक्त राष्ट्र की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार **अपने नागरिकों को रोज़मर्रा की जरुरी सुविधाएं देने के मामले में हम दुनिया के देशों की सूची में 131वें नंबर पर हैं यानि दुनिया के 130 देश हमसे बेहतर है।** अमेरिका इस सूची में 17वें और जापान 19वें स्थान पर है। वहीं ऐसे देश जिनकी तुलना भारत से की जाती है, जैसे ब्राज़ील (84), साउथ अफ्रीका(114), चीन (85), और रूस (52) हमसे ऊपर है।[16]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

7 भारत में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण जैसे महान शिक्षक रहे जो भारत के दूसरे राष्ट्रपति भी बने और आज हम सभी उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। जिस देश में शिक्षा को इतनी मान्यता दी गयी कि गुरु को हमेशा भगवान के समान दर्ज़ा दिया गया, और गुरु-शिष्य परंपरा को अत्यंत महत्त्व दिया गया, उसी **देश में प्राथमिक विद्यालयों में 33 बच्चों पर एक अध्यापक है** जबकि अमेरिका में 14, चीन में 16, जर्मनी में 12 और जापान में 16 बच्चों पर एक अध्यापक है। शिक्षा हमारी प्राथमिकता क्यों नहीं बनी?[17]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

8 आश्चर्य की बात है कि जिस देश ने 2700 साल पहले तक्षशिला जैसी विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी की स्थापना की, जहाँ देश विदेश से लोग आकर पढ़ने में गर्व महसूस करते थे उस देश में आज़ादी के 75 वें साल में स्कूल में पढ़ने वाले **केवल 29% बच्चों को स्कूल से पास होने के बाद उच्च स्तरीय शिक्षा उपलब्ध हो पाती है,** और बाकियों को कॉलेज और यूनिवर्सिटीज़ में सीट नहीं मिलती। क्या हमारे देश में इतनी शिक्षा व्यवस्था भी नहीं कि आज़ादी के 75 साल बाद भी 71% बच्चे अर्थात 96.5 करोड़ बच्चे, शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाते हैं। यह हमारे लिए सवाल खड़ा करता है कि।[18]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

9 एक समय हमारे भारत में शिक्षा का स्तर इतना ऊंचा था कि यहां शून्य और दशमलव की खोज हुई, तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय बने। लेकिन आज ऐसा क्या हुआ कि हमारे देश के बहुत से सक्षम परिवार **अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए विदेशों की बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटी में भेजने का सपना देखते हैं?** आज हमारे देश में कोई भी कॉलेज या यूनिवर्सिटी ऐसी नहीं है, जहां पढ़ने का सपना अमेरिका या जापान जैसे देशों में बैठे कुछ परिवार देखते हों।[19]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

10 जिस भारत ने हज़ारो साल पहले दुनिया को शुन्य और दशमलव की खोज करके दी,[20] वहीं महान भारत आज नई खोज करने और अनुसन्धान के मामले में पिछड़ गया है। **आज हमारी यूनिवर्सिटी और कॉलेज में जो कुछ पढ़ाया जाता है वह दुनिया के अन्य देशो में की गयी खोज पर आधारित होता है।** आज हमारी इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी सब कुछ दुनिया के दूसरे देशो में हुई खोज पर चलने पर मजबूर क्यों हैं?

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

11 भरपूर प्राकृतिक संसाधनों और दुनिया में सबसे ज्यादा बड़ी समतल उपजाऊ कृषि भूमि वाला देश होने के बावजूद ऐसा कैसे हो गया कि हमारे **देश के 4.5 करोड़ बच्चे कुपोषण का शिकार है।** सारी दुनिया के कुल बच्चो में से एक तिहाई कुपोषित बच्चे भारत में रहते है। आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?[21]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

12 हमारे देश में भरपूर प्राकृतिक संसाधन है, यहाँ गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी जैसी 400 से भी अधिक नदियाँ है, जहां बड़े-बड़े बाँध बने हुए हैं इसके बावजूद आज भी यहाँ **लगभग 4 करोड़ लोगों के पास बिजली नहीं पहुँच पायी है,** जबकि अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी जैसे विकसित देशो में 100 प्रतिशत आबादी के पास 24 घंटे बिना रुके बिजली उपलब्ध है।[22]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

13 प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता में भारत सबसे ऊपर है, जहाँ 400 नदियां हैं, 500 पर्वत शृंखलाएं है, और 87 प्रकार के खनिज उपलब्ध है, इसके बावजूद भी भारत के **8.8 करोड़ लोगो को पीने के लिए साफ़ पानी नहीं मिलता।**[23] यह सुविधा उपलब्ध कराने में 138 देश हमसे बेहतर हैं।[24]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

14 दुनियाभर में मानवीय चेतना पर काम करने वाले भारत में आज अपने वातावरण को साफ व स्वच्छ रखने की चेतना नहीं जाग सकी क्योंकि दुनिया के कुछ सबसे प्रदूषित शहर हमारे देश में हैं। **आसमान में साफ़ हवा के मामले में भारत आज भी 179वें स्थान पर आता है,** क्यों आज भी भारत की स्थिति कई कम विकसित देशों जैसे अफगानिस्तान, कंबोडिया, नाइजीरिया आदि से भी ख़राब है?[25]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

15 गौतम बुद्ध, गुरु नानक, स्वामी विवेकानंद, और महात्मा गांधी का देश, गीता जैसे महान ग्रंथ का रचयिता देश, जो अपने मूल्यों और परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, वहाँ आज आम आदमी को बिज़नेस चलाने के लिए या सरकारी काम करने के लिए रिश्वत खोरी या दलाली का सामना करना पड़ता है। **भ्रष्टाचार के मामले में दुनिया के 85 देश हमसे बेहतर है।** हम कैसे इतना नीचे आ गए?[26]

आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

ये सब सवाल बच्चे के अंदर जगाने ज़रूरी है। हो सकता है कि इन सवालों की जड़ तक पहुँचते-पहुँचते, बच्चे अपने मन की उस अवस्था में पहुँच जाएँ, जहाँ वे स्वयं यह संकल्प लें कि वे पढ़ लिखकर और बड़े होकर इन परिस्थितियों को जरूर बदलेंगे और भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने की दिशा में काम करेंगे। अगर यह सवाल उनके अपने सवाल बन गए तो निश्चित तौर पर ये बच्चे आगे चलकर देश के लिए कुछ बेहतर करने की दिशा में देश की ताकत बनेंगे।

होमवर्क

4.2.B: आख़िर गलती कहाँ हुई?

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

आज़ादी के 75 सालों के बाद भी हमारा देश एक विकासशील देश ही है और हम विकसित देश नहीं बन पाए। आपकी नज़र में, आखिर हमसे गलती कहाँ हो गई?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

4.2.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार बच्चों को छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- गरीबी और बेरोज़गारी
- शिक्षित व्यक्तियों में भी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की आदत
- शिक्षित व्यक्तियों में भी जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के झगड़े
- देश में बिजली और पानी की कमी
- सभी के लिए अच्छी चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता में कमी
- शिक्षा का व्यापारीकरण
- स्वार्थ की राजनीति
- अंधविश्वास और कुरीतियां
- मातृभाषा के लिए हीनता का भाव
- देशभक्ति की भावना में कमी

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 4.3

देश की कमियों के लिए ज़िम्मेदार कौन?

4.3.A: क्लासरूम चर्चा: देश की कमियों के लिए ज़िम्मेदार कौन?

लगभग 1 दिन

बच्चों को बताएं कि पिछली एक्टिविटी में हमने हमारे देश की मौजूदा कमियों और समस्याओं को जानने का प्रयास किया। इस एक्टिविटी में अब हम यह जानने का प्रयास करेंगे कि आखिर इन सभी समस्याओं और कमियों के लिए ज़िम्मेदार कौन है?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

आपके अनुसार देश की इन कमियों के लिए ज़िम्मेदार कौन है- आप, परिवार, समाज या सरकार?

अब क्लास में चर्चा कर, बच्चों से यह जानने की कोशिश करें कि देश की इन कमियों के लिए वे किसे ज़िम्मेदार समझते हैं-

- खुद को
- परिवार को
- समाज को या
- सरकार को।

बच्चों को स्वयं अपने अंदर से इस प्रश्न का जवाब ढूंढने दें और अपनी समझ के अनुसार कोई जवाब देने दें। फिर नीचे दी गई क्लास एक्टिविटी के अनुसार इस चर्चा को आगे बढ़ाएं-

क्लास-एक्टिविटी

'देश का गौरव और हमारा आचरण'

अगले पेज पर एक तालिका दी गई है जिसमें देश की बहुत सी कमियों को दर्शाया गया है। इस एक्टिविटी को आगे बढ़ाने के लिए एक-एक कमी और उसके सामने दिए विकल्पों को क्लास के सामने रखें। साथ ही बच्चों को कमी को अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। फिर वे सोचकर, अपना-अपना जवाब, उस कमी के सामने दिए कॉलम्स में सही का निशान (✓) लगाकर दर्शाएँ और कुछ देर उस कमी पर चर्चा करें। फिर अगली कमी की ओर बढ़ जाएँ और एक-एक कर इसी प्रकार नीचे दी गई सभी कमियों पर बच्चों के जवाब लें और चर्चा को आगे बढ़ाते रहें-

किसी भी कमी के लिए के अपनी ओर से बच्चों को कोई भी जवाब न दें और न उनके जवाबों को सही या ग़लत बताएँ।

क्रम संख्या	देश की कमियाँ	हम स्वयं	हमारा परिवार	हमारा समाज	हमारी सरकार	शिक्षा
1.	भारत में बढ़ती गरीबी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
2.	देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
3,	देश की बढ़ती जनसंख्या के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
4.	देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी तथा दलाली का ज़िम्मेदार कौन है?					
5.	देश में अनेक प्रचलित अंधविश्वासों का ज़िम्मेदार कौन है?					
6.	अभी भी भारत की 26% जनता अशिक्षित है, इसका ज़िम्मेदार कौन है?					
7.	देश में गंदगी फैलाने का ज़िम्मेदार कौन है?					
8.	देश में बढ़ते प्रदूषण का ज़िम्मेदार कौन है?					
9.	देश में अच्छे स्कूल कॉलेजों की कमी का ज़िम्मेदार कौन है?					
10.	जातियों में ऊंच-नीच, धर्म के आधार पर झगड़े, क्षेत्रवाद के झगड़े का ज़िम्मेदार कौन है?					
11.	लड़का तथा लड़की की अधिकारों में भेदभाव करने का ज़िम्मेदार कौन है?					
12.	देश में लड़कियों और महिलाओं से छेड़छाड़ के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
13.	दहेज के लिए लड़कियों को उत्पीड़न करने का ज़िम्मेदार कौन है?					
14.	बाल विवाह के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
15.	बाल मजदूरी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
16.	देश में शिक्षा के व्यापारीकरण के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
17.	साफ पानी की कमी की समस्या का ज़िम्मेदार कौन है?					
18.	बिजली की कमी की समस्या का ज़िम्मेदार कौन है?					

क्रम संख्या	देश की कमियाँ	हम स्वयं	हमारा परिवार	हमारा समाज	हमारी सरकार	शिक्षा
19.	ट्रैफिक नियमों का पालन ना करते हुए सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने का ज़िम्मेदार कौन है?					
20.	देश में अच्छे अस्पतालों की कमी का ज़िम्मेदार कौन है?					
21.	देश में बढ़ते अपराध का ज़िम्मेदार कौन है?					
22.	देश के कानूनों का पालन न करने के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
23.	देश में बढ़ती जुआखोरी, नशाखोरी, धूम्रपान, गुटखा, तंबाकू के सेवन का ज़िम्मेदार कौन है?					
24.	बाजारों में नकली और मिलावटी सामान मिलने का ज़िम्मेदार कौन है?					
25.	ग्लोबल वार्मिंग के लिए और पेड़ों को काटकर पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का ज़िम्मेदार कौन है?					
26.	सार्वजनिक स्थलों जैसे पार्क, सड़क, सिनेमाघर, स्कूल, कॉलेज और ऐतिहासिक इमारतों की संपत्ति को नुकसान पहुँचाने का ज़िम्मेदार कौन है?					
27.	सार्वजनिक स्थलों में बीड़ी सिगरेट शराब पीने का ज़िम्मेदार कौन है?					
28.	अंग्रेजी भाषा ना आने पर हीनता के भाव का ज़िम्मेदार कौन है?					
29.	देश में अनेक प्रचलित अंधविश्वासों का ज़िम्मेदार कौन है?					

उपरोक्त कमियों पर क्लास में चर्चा करें ताकि बच्चे स्वयं ये समझ बना सकें कि आखिर देश में मौजूद इन कमियों और समस्याओं का ज़िम्मेदार कौन है, कहाँ गलती हो रही है और किससे गलती हो रही है, जो हमारा देश अभी तक विकसित देश नहीं बन सका।

होमवर्क

4.3.B: देश की कमियों के लिए जिम्मेदार कौन?

बच्चों को नीचे दी गई तालिका व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर करें और उन्हें कहें कि वे इन सभी समस्याओं/कमियों की चर्चा अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों के साथ मिलकर करें और उनकी प्रतिक्रिया अपनी देशभक्ति डायरी में नोट करें कि उनके लिए ज़िम्मेदार कौन है और उनके पीछे क्या कारण हैं?

देश की निम्नलिखित कमियों के लिए आप किसे ज़िम्मेदार मानते है? नीचे दिए गए एक या एक से अधिक कॉलम्स में सही का निशान (✓) लगाकर बताएं –

क्रम संख्या	देश की कमियाँ	हम स्वयं	हमारा परिवार	हमारा समाज	हमारी सरकार	शिक्षा
1.	भारत में बढ़ती गरीबी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
2.	देश की बढ़ती जनसंख्या के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
3.	देश में बढ़ती बेरोजगारी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
4.	किसी भी जाति को नीचा बताकर उस जाति के लोगों को परेशान करके देश में जातिवाद की समस्याओं को बढ़ावा देने का ज़िम्मेदार कौन है?					
5.	देश में बढ़ते भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी तथा दलाली का ज़िम्मेदार कौन है?					
6.	अभी भी भारत की 26% जनता अशिक्षित है, इसका ज़िम्मेदार कौन है?					
7.	बाल विवाह तथा बाल मजदूरी के लिए ज़िम्मेदार कौन है?					
8.	साफ पानी और बिजली की कमी की समस्या का ज़िम्मेदार कौन है?					
9.	बिजली की कमी की समस्या का ज़िम्मेदार कौन है?					
10.	देश में बढ़ते प्रदूषण का ज़िम्मेदार कौन है?					

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

4.3.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। साथ ही उन्हें होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- यदि कुछ कमियों के लिए सरकार और ज़िम्मेदार है तो एक लोकतांत्रिक देश के जागरूक नागरिक की क्या भूमिका होनी चाहिए?
- यदि समाज ज़िम्मेदार है तो उन कमियों/ समस्याओं को दूर करने में आपकी और आपके परिवार की क्या भूमिका होनी चाहिए?
- क्या कुछ कमियों के लिए आप देश की शिक्षा व्यवस्था को भी ज़िम्मेदार मानते हैं? यदि हाँ, तो उसमें क्या क्या ज़रूरी बदलाव होने चाहिए?
- क्या कहीं आप स्वयं को भी ज़िम्मेदार मानते हैं? यदि हाँ, तो आपको एक देशभक्त होने के नाते क्या-क्या ज़िम्मेदारी उठानी होंगी?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

मेरे सपनों का भारत 5

उद्देश्य

- बच्चे भारत के उज्ज्वल भविष्य का सपना देख सकेंगे और उन्हें पूरा करने के लिए लाये जाने वाले बदलावों को समझ सकेंगे।
- बच्चे अपने भविष्य के भारत में स्वयं तथा परिवार की भूमिका को पहचान पाएंगे।
- अपने सपनों का देश बनाने के लिए बच्चे अपनी भूमिका को समझकर तथा उसे अभिव्यक्त कर सकेंगे।
- बच्चे अपने सपनों के भारत को बनाने का संकल्प ले सकेंगे।

एक्टिविटी 5.1

मेरे सपनों का भारत

5.1.A: क्लासरूम चर्चा: मेरे सपनों का भारत

लगभग 1 दिन

अभी तक हमने हमारे देश के अतीत के उन पन्नों को खोलकर देखा जो हमें सदा के लिए गौरवान्वित करते हैं, साथ ही हमने उन कमजोरियों को भी देखा जिनसे हमने वर्तमान में निजात पाई है। हमने इस बात पर भी चर्चा की कि आज भी हमारा देश दुनिया में विकासशील देश ही क्यों कहलाता हैं, विकसित क्यों नहीं। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न सामूहिक रूप से पूछें–

- क्या आप भविष्य में भी अपने भारत को विकासशील देश ही बनाए रखना चाहते हैं या कुछ बनते देखना चाहते हैं? यदि कुछ और, तो क्या?

बच्चों से कहें कि क्यों ना हम आज अपने देश के लिए एक सपना देखें।

बच्चों के साथ इस बारे में कुछ देर चर्चा करें और उन्हें यह स्पष्टता दें कि सपने केवल वे ही नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं बल्कि सपने वे होते हैं जो हम जागते हुए अपने भविष्य के लिए देखते हैं। बच्चों से कहें कि आइए अब हम सब मिलकर अपने सपनों के भारत के बारे में सोचें।

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें–

आपको आपके सपनों का भारत कैसा दिखाई देता है?
या
आप अपने भविष्य का भारत कैसा देखना चाहते हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

बच्चों को एक-दो मिनट के लिए आँखें बंद करके अपने सपनों के भारत के बारे में सोचने के लिए कहा जा सकता है।

बच्चों की सोच को सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्राम्प्ट्स दिए जा सकते हैं-

- *आप अपने सपनों के भारत में किस तरह की सड़कें चाहते हैं?*
- *आप अपने सपनों के भारत में किस तरह के यातायात के साधन चाहते हैं?*
- *आप अपने आसपास किस तरह का वातावरण चाहते हैं?*
- *आपको अपने सपनों के भारत में साक्षरता स्तर कैसा चाहिए?*
- *आपके सपनों के भारत में काम करने वाले मजदूरों का कौशल स्तर कैसा होना चाहिए? बच्चों से कहें कि वे इस पर विचार करें।*
- *हमारे देश की चिकित्सा प्रणाली कैसी होनी चाहिए?*
- *हमारे देश में व्यवसाय, व्यापार, शिक्षा इत्यादि की स्थिति पर भी विचार करें?*
- *लोगों के स्वास्थ्य और उनके रहन-सहन के स्तर की भी कल्पना करें।*

इस प्रकार के और भी प्रेरक संकेत बच्चों को दिए जा सकते हैं। फिर उन्हें धीरे से अपनी आँखे खोलने को कहें। कुछ क्षण उन्हें उस भाव का एहसास होने दें और फिर उनसे कहें कि जो भी उन्होंने अपने भारत के लिए सपना देखा है उसे सबके साथ साझा करें। बच्चों के जवाबों को संक्षेप में क्लास के बोर्ड पर साथ-साथ लिखते रहें।

आगे होमवर्क 5.1.B में बच्चों को "मेरे सपनों के भारत" विषय पर एक पत्र लिखने के लिए कहा गया है जिसके बारे में समझ बनाने के लिए वे निम्नलिखित बिंदुओं पर भी अपने विचार अभिव्यक्त कर सकते हैं-

- *क्या हम अपने भविष्य का भारत ऐसा चाहते हैं जहाँ सबके लिए रोज़गार हो, नौकरियाँ ईमानदारी से और योग्यता के आधार पर लगती हों ना कि सिफारिश और भ्रष्टाचार के आधार पर?*
- *क्या हमारे भविष्य के भारत में भी लोग नौकरी ढूँढने के लिए विदेशों में जाएँगे या विदेशी यहाँ आकर नौकरियाँ करने का सपना देखेंगे?*
- *क्या भविष्य के भारत में भी कोई परिवार गरीबी की रेखा के नीचे होगा?*
- *क्या भविष्य के भारत में व्यापार के लिए रिश्वत देनी पड़ेगी?*
- *हमारे भविष्य के भारत में सड़कें, कॉलोनी या मोहल्ले और गाँव गंदे होंगे या पूरी तरह साफ सुथरे होंगे?*
- *भविष्य के भारत में भी क्या हम चाहेंगे कि हमारे बच्चे अच्छी शिक्षा लेने के लिए विदेश जाएँ या यह चाहेंगे कि विदेश में बैठे लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए भारत के स्कूलों और कॉलेजों में भेजें?*
- *क्या हम भविष्य के भारत में चाहेंगे कि कोई भी व्यक्ति अस्पताल, डॉक्टर या दवाइयों की कमी से जान गवाएँ?*
- *क्या हमारे भविष्य के भारत में सभी लोग अपना काम मेहनत, ईमानदारी और ज़िम्मेदारी से करेंगे?*
- *क्या हमारे सपनों के भारत में हर एक नागरिक कट्टर देशभक्त होगा?*
- *हमारा देश पूरी तरह शांति प्रिय देश हो, जहाँ पर हिंसा का कोई नामोनिशान ना हो, न ही जाति-धर्म के झगड़े हों। हर आदमी अपनी जाति-धर्म के साथ-साथ दूसरे की जाति-धर्म को भी बराबर का सम्मान दें। क्या हम अपने भविष्य के भारत की ऐसी कल्पना करते हैं?*

होमवर्क

5.1.B: सपनों के भारत के लिए पत्र लिखना

बच्चों से कहें कि आप स्वयं अपने लिए अपनी देशभक्ति डायरी में एक पत्र लिखें जिसमें यह बताएं कि जब आप बड़े हो जायेंगे तब आप अपने सपनों का भारत कैसा देखना चाहते हैं।

पत्र लिखने के लिए एक फ़ॉर्मैट, उदाहरण के रूप में नीचे दिया गया है-

प्रिय..... (अपना नाम),

मैं चाहता/चाहती हूँ कि भविष्य में मेरे देश में .....
.....
.....
.....

तुम्हारा / तुम्हारी

..... (भारत का/की नागरिक)

बच्चों को किसी भी प्रकार से सही/ग़लत न कहें और ना ही उनके विचारों पर किसी प्रकार से सहमति या असहमति व्यक्त करें।

सजेस्टेड एक्टिविटी- बच्चे चाहें तो वे इस बारे में किसी अन्य माध्यम जैसे कविता, कहानी, ड्राइंग, ऑडियो/वीडियो आदि से भी अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं।

5.1.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। साथ ही उन्हें होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें -

- आपके अनुसार देश में क्या-क्या बदलाव लाने हैं जिससे देश की स्थिति को सुधारा जा सके?
- सपनों का भारत बनाने में क्या-क्या चुनौतियां सामने आ सकती हैं?
- क्या अपने सपनों का भारत बनाने के लिए आपको स्वयं में भी कुछ परिवर्तन करने होंगें? यदि हाँ, तो क्या?
- आप जिस सपनों के भारत की कल्पना करते हैं उसमें आपकी क्या भूमिका होगी?

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

नोट

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 5.2

मैं, मेरा परिवार और मेरे सपनों का भारत

5.2.A: क्लासरूम चर्चा: मैं, मेरा परिवार और मेरे सपनों का भारत

लगभग 1 दिन

पिछली क्लास में हमने अपने देश के भविष्य के बारे में सपना देखा और आज हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि हम स्वयं को और अपने परिवार को अपने भविष्य के भारत में कहां देखते हैं।

इसके लिए बच्चों को कुछ देर के लिए आंखें बंद कर निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार करने के लिए कहें-

- आप अपने और अपने परिवार के भविष्य के लिए क्या सपना देखते हैं?
- आप उस सपने को पूरा करने के लिए क्या प्रयास करते हैं?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

आपको क्या लगता है, आपका देश आपका सपना पूरा करने में आपकी मदद कैसे कर सकता है?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

बच्चों को सोचने के लिए निम्नलिखित प्राम्प्ट्स या संकेत दे सकते हैं-

- *क्या आप देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐसे स्कूल और कॉलेज चाहते हैं जहां विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिल सके?*
- *क्या आप ऐसी व्यवस्था चाहते हैं कि जब आप मेहनत करके स्कूल पास करके जाएँ तो आपको अपने सपनों को पूरा करने के लिए हायर-एजुकेशन या स्किल-एजुकेशन में आसानी से एडमिशन मिल सके?*
- *क्या ऐसी व्यवस्था भी होनी चाहिए कि जब आप पढ़ाई करके नौकरी या व्यापार करने जाएँ तो ईमानदारी से आपको नौकरी मिले या अपना व्यापार शुरू करें तो वहाँ किसी को रिश्वत न देनी पड़े?*
- *आप क्या चाहते हैं- देश में धोखा-धड़ी और छल-कपट या लोगों के मन में कानून-व्यवस्था के प्रति सम्मान?*
- *क्या आपको लगता है कि अपना व्यापार करने के लिए आपको शिक्षित, प्रशिक्षित और स्वस्थ मजदूरों की उपलब्धता होनी चाहिए ?*
- *क्या आप हमारे देश की चिकित्सा व्यवस्था में कोई बदलाव चाहते हैं, ताकि आपको कभी अपने या परिवार के किसी सदस्य का इलाज कराने में कोई दिक्कत ना हो?*
- *क्या आप चाहेंगे कि आस-पास शांति का माहौल हो, न की लड़ाई-झगड़े का माहौल?*
- *क्या आप चाहेंगे कि देश में बिजली, पानी और यातायात की अच्छी व्यवस्था हो और ऐसा भी न हो कि आपकी सारी कमाई केवल इनका बिल भरने में ही चली जाए?*
- *आप क्या चाहेंगे- अपने आसपास सफाई या गंदगी?*

- *आप क्या चाहेंगे- अपने आस-पास ऐसे लोग जो आपको प्रेरणा दें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें या ऐसे लोग जो अंधभक्ति और दकियानूसी बातों से आपको परेशान करें?*
- *सपनों के भारत में आप किस तरह के लोग चाहेंगे- हिम्मत वाले या डरपोक?, देश के लिए कुर्बानी देने वाले या ज़रुरत पड़ने पर बहाने बनाने वाले?*
- *आप क्या चाहेंगे- अपना काम करवाने के लिए रिश्वत देनी पड़े या नियमानुसार बिना देरी के आपका काम आसानी से रिश्वत दिए बिना हो जाए?*

उपरोक्त सभी बिंदुओं के संदर्भ में बच्चों से पूछें कि अगर यह सब नहीं हुआ तो क्या आप आसानी से अपने और अपने परिवार के लिए देखे जा रहे सपनों को सच कर पाएँगे?

होमवर्क

5.2.B: मेरे भविष्य में मेरे देश की भूमिका

उपरोक्त चर्चा को और गहराई प्रदान करने के लिए बच्चों को यह होमवर्क दें कि जिस तरह से उन्होंने क्लासरूम में सपना देखा उसी तरह वे अपने परिवार के साथ बैठकर, उन्हें अपने परिवार के भविष्य को लेकर सपना दिखाएँ और उसमें अपने देश की भूमिका के बारे में भी चर्चा करें। जिससे सम्बन्धित प्रश्न नीचे दिया गया है। साथ ही साथ जो भी जवाब मिले उन्हें अपनी देशभक्ति डायरी में नोट कर लें।

आपको क्या लगता है, आपका देश आपका सपना पूरा करने में आपकी मदद कैसे कर सकता है?

5.2.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहे। होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल करने के लिए कहें-

- क्या अच्छे स्कूल, कॉलेज और उनमें अच्छी शिक्षा यह सबसे पहली जरूरत होगी?
- ऐसी व्यवस्था जिसमें जब आप मेहनत करके स्कूल पास करके जाएँ तो आपको अपने सपनों को पूरा करने के लिए हायर-एजुकेशन या स्किल-एजुकेशन में आसानी से एडमिशन मिल सके।
- या जब आप पढ़ाई करके नौकरी या व्यापार करने जाएँ तो ईमानदारी से आपको नौकरी मिले या अपना व्यापार शुरू करें तो वहाँ किसी को रिश्वत न देनी पड़े।

प्रत्येक ग्रुप में एक बच्चा सामूहिक चर्चा के सभी बिंदुओं को नोट करेगा और इस बच्चे का चुनाव ग्रुप के सदस्य स्वयं करें। चर्चा के बाद, एक-एक कर सभी ग्रुप्स क्लास में अपनी-अपनी प्रेजेंटेशन देंगे और अपने विचार सबके साथ साझा करेंगे। एक ग्रुप की प्रेजेंटेशन के बाद यदि किसी के मन में कोई विचार आए, तो उसे अभिव्यक्ति का मौका दें। ग्रुप चर्चा के अंत में अध्यापक बच्चों से कहें कि अब वे घर जाकर इस बारे में बनी समझ की अभिव्यक्ति अपनी-अपनी देशभक्ति डायरी में लिखित रूप में ज़रूर करें।

एक्टिविटी 1.1.C में दिए गए आवश्यक निर्देशों का ध्यान रखें।

एक्टिविटी 5.3

सपने साकार कैसे होंगे?

5.3.A: क्लासरूम चर्चा: सपने साकार कैसे होंगे?

लगभग 1 दिन

बच्चों को यह बताएं कि अभी तक हमने अपने लिए, अपने परिवार के लिए और अपने देश के लिए कुछ सपने देखे, परन्तु यह भी सच है कि जब हम अपने सपने पूरे करने चलेंगे तो बहुत से बदलाव भी करने पड़ेंगे। फिर पूरी क्लास के सामने निम्नलिखित प्रश्न रखें-

आप जिन बदलावों के साथ अपने सपनों का देश बनाना चाहते हैं इसको बनाने की जिम्मेदारी किस-किस की होगी?

कुछ देर इस पर चर्चा कर अब निम्नलिखित मुख्य प्रश्न को क्लास के बोर्ड पर लिखकर पूछें-

अपने सपनों का भारत बनाने में आप अपनी भूमिका को किस रूप में देखते हैं?

नीचे दिए गए बिंदुओं के क्रमानुसार ही क्लासरूम चर्चा को आगे बढ़ाएं-

- बच्चों को उपरोक्त प्रश्न के बारे में 5 से 10 मिनट तक सोचने के लिए समय दें।
- इसके बाद क्लास के हर बच्चे को अपने पूर्व ज्ञान और समझ के अनुसार मुख्य प्रश्न के लिए अपने उत्तर देशभक्ति डायरी में लिखने के लिए कहें।
- फिर बच्चों को एक-एक कर अपने विचार क्लास में साझा करने के लिए कहें।

चर्चा को आगे बढ़ाने और सही दिशा देने के लिए निम्नलिखित प्रश्न प्राम्प्ट्स के रूप में दिए जा सकते है -

- *हमारे देश की समस्याओं के लिए कौन ज़िम्मेदार हैं- हम, हमारा परिवार, समाज या सरकार?*
- *क्या हमारे सामने जो चुनौतियाँ पैदा होती हैं उनका समाधान करना किसी दूसरे का काम है या हमें खुद भी उस पर काम करना चाहिए?*

यह प्रश्न पूछना और बच्चों से इसका जवाब सुनना एक बेहद महत्वपूर्ण एक्टिविटी है और इसे यहाँ शामिल करने का उद्देश्य है कि क्लास का हर एक बच्चा इस बारे में सोचें और फिर इस प्रश्न का जवाब खुद अपने अंदर से ढूँढे। **यहाँ इस एक्टिविटी का उद्देश्य अपने अंतर्मन में झाँकना है और यह देखना है कि क्या इन चुनौतियों के लिए हम भी ज़िम्मेदार हैं और यदि हम ज़िम्मेदार हैं तो उनको सुधारने की ज़िम्मेदारी किसकी है?**

उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों के सामने निम्नलिखित परिस्थितियाँ एक-एक रखें जैसे-

- *यदि आपके घर पर बहुत से मेहमान आ जाएँ तो आपका घर अव्यवस्थित हो जाता है। मेहमानों के जाने के बाद उस घर को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी किसकी होती है?*
- *आप जिस गली में रहते हैं उस गली की नाली कूड़े के कारण भर गई है जिसके कारण नाली का पानी गली में भरने लगा है तो उस नाली को साफ कराने की जिम्मेदारी किसकी होगी?*
- *एक व्यक्ति अपना काम जल्दी करवाने के लिए अधिकारी को रिश्वत देता है। यदि कल को यह समस्या या यही स्थिति हमारे सामने आती है तो ऐसी स्थिति में हमें क्या करना चाहिए?*

नोट

- सभी प्रश्न एक साथ न पूछें।
- प्रश्नों के बीच-बीच में उन पर चर्चा अवश्य करें।
- बच्चों को अपने अंदर इन प्रश्नों के जवाब ढूंढ़ने के लिए कुछ समय दें, इसमें जल्दबाजी बिल्कुल न करें।

होमवर्क

5.3.B: मेरी भूमिका

सभी बच्चों को नीचे दिए प्रश्न को अपनी उम्र से बड़े तीन व्यक्तियों से पूछने के लिए कहें-

अपने सपनों का भारत बनाने में आप अपनी भूमिका को किस रूप में देखते हैं?

किनसे सवाल पूछें-

- एक व्यक्ति उनके परिवार का हो यानी कि माता-पिता, भाई-बहन इत्यादि में से कोई एक।
- शेष दो व्यक्ति उनके परिवार से बाहर के व्यक्ति होने चाहिए जैसे कि पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र इत्यादि परंतु ये उन व्यक्तियों से अलग हों, जिनसे उन्होंने पिछली एक्टिविटी में सवाल पूछे थे।

नोट

उपरोक्त एक्टिविटी के क्लास में चलने के दौरान ही बच्चों को होमवर्क दे दें और बच्चों से तीनों व्यक्तियों द्वारा उपरोक्त प्रश्न के दिए गए जवाब को यथासंभव जैसा उन्होंने कहा, दो से तीन वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में ही लिखकर लाने के लिए कहें। एक्टिविटी के बीच-बीच में बच्चों की देशभक्ति डायरी में दिए गए होमवर्क पर एक नज़र डाल कर उन्हें प्रोत्साहित ज़रूर करते रहें।

5.3.C: ग्रुप चर्चा और रिफ्लेक्शन

लगभग 1 दिन

क्लास के सभी बच्चों को निर्देशानुसार छोटे-छोटे ग्रुप्स में बांटे और उन्हें अपने-अपने ग्रुप में होमवर्क के दौरान मिले जवाबों पर चर्चा करने के लिए कहें। साथ ही उन्हें होमवर्क करने के दौरान हुए अनुभवों को भी एक दूसरे के साथ जरूर साझा करने के लिए कहें।

प्रत्येक ग्रुप में हो रही चर्चा में निम्नलिखित बिंदु को भी शामिल करने के लिए कहें-

"अपने सपनों का भारत बनाने में मेरा योगदान"

- ग्रुप चर्चा के दौरान सुनिश्चित करें कि हर बच्चा कम से कम अपना एक-एक रिफ्लेक्शन अपने ग्रुप में ज़रूर दे।
- चर्चा के दौरान एक हर ग्रुप में एक बच्चा सभी मुख्य बिंदुओं को नोट करेगा।
- ग्रुप की सामूहिक समझ बनने के बाद एक-एक करके सभी ग्रुप अपने सपनों का भारत बनाने में अपने-अपने योगदान की सूची पूरी क्लास के साथ साझा करेंगे।

अब तक की अपनी समझ और संकल्पों के आधार पर हर बच्चे को अपनी-अपनी एक शपथ "मैं करूँगा/करूँगी" लिखने को कहें जिसे वे अपने मनचाहे, रंग, डिज़ाइन, शेप आदि में अभिव्यक्त कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बच्चों को अपनी कोई शपथ, एक या दो वाक्यों में अपनी देशभक्ति डायरी में लिखने को कहें। बच्चों को सोचने, विचार करने और आत्ममंथन करने के लिए पूरा समय दें, जिससे हर एक बच्चा अपनी खुद की कोई शपथ लिख सके और भविष्य में उसे अपनाकर उस पर अमल भी करें।

बच्चे नीचे लिखे वाक्य के अनुसार अपनी शपथ की शुरुआत कर सकते हैं-

मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं .....
.....।

सजेस्टेड ऐक्टिविटी: बच्चे चाहें तो वे अपनी शपथ को खूबसूरती से लिखकर अपने घर या क्लास में किसी ऐसी जगह पर सजा सकते हैं जहाँ वे उसे अक्सर देख सकें और अपनी शपथ को पुरा करने के लिए गतिमान रह सकें।

3. मेरा देश - मेरा गौरव

[1] Padma Sudhi. Gupta Art: A Study from Aesthetic and Canonical Norms. Galaxy Publications. p. 7-17.
[2] George. Ifrah (1998). A Universal History of Numbers: From Prehistory to the Invention of the Computer. London: John Wiley & Sons.
[3] Crangle, Edward Fitzpatrick (1994). The Origin and Development of Early Indian Contemplative Practices. Otto Harrassowitz Verlag.
[4] Kiran Siddiqui, "University of Takshashila", https://www.academia.edu/31682098/University_of_Takshashila
[5] Svoboda, Robert (1992). Ayurveda: Life, Health and Longevity. Penguin Books India. pp. 9–10. ISBN 978-0-14-019322-0
[6] "MIP detected water on Moon way back in June: ISRO Chairman". The Hindu. Bangalore. 25 September 2009.
[7] Kulke, Hermann; Dietmar Rothermund (2004). A history of India. Routledge. p. 57. ISBN 0-415-32919-1.
[8] "World | South Asia | Country profiles | Country profile: India". BBC News. 7 June 2010.
[9] European Parliament, "India: the biggest democracy in the world", October 2014, https://www.europarl.europa.eu/RegData/etudes/ATAG/2014/538956/EPRS_ATA(2014)538956_REV1_EN.pdf

4. मेरा भारत महान फिर भी विकसित क्यों नहीं?

[1] BBC, "Case study - emerging and developing country - India", https://www.bbc.co.uk/bitesize/guides/zgwm4j6/revision/1
[2] World Bank, "Reversals of Fortune" 2020 https://openknowledge.worldbank.org/bitstream/handle/10986/34496/9781464816024.pdf
[3] Press Information Bureau, Government of India, "Poverty Estimates for 2009-10" https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=81151
[4] World Bank, "World Bank Development Indicators - GNI per capita, (current international $) - https://data.worldbank.org/indicator/NY.GNP.PCAP.PP.CD
[5] Zysk, Kenneth. (2002). Meulenbeld, G. Jan, A History of Indian Medical Literature [Groningen Oriental Studies Volume XV/I-III]. Indo-Iranian Journal. 45. 358-361
[6] World Bank, "World Bank Development Indicators - Hospital beds (per 1,000 people) - https://data.worldbank.org/indicator/SH.MED.BEDS.ZS
[7] UNDP, Human Development Index, http://hdr.undp.org/en/content/latest-human-development-index-ranking
[8] World Bank, "World Bank Development Indicators - Pupil-teacher ratio, primary - https://data.worldbank.org/indicator/SE.PRM.ENRL.TC.ZS
[9] World Bank, "World Development Indicators - School enrollment, tertiary (% gross)" - https://data.worldbank.org/indicator/SE.TER.ENRR
[10] Needham, Joseph, Within the Four Seas: The Dialogue of East and West. (2004) Routledge. ISBN 978-0-415-36166-8.
[11] Bourbaki, Nicolas, "Elements of the History of Mathematics" (1998), p. 46. Britannica Concise Encyclopedia (2007)
[12] WHO, "Global Nutrition Report", 2018, https://globalnutritionreport.org/reports/global-nutrition-report-2018/
[13] World Bank, "World Bank Development Indicators - Access to electricity (% of population)", https://data.worldbank.org/indicator/EG.ELC.ACCS.ZS?view=chart
[14] WaterAid India, 2016, https://www.wateraidindia.in/media/wateraid-releases-water-at-what-cost-the-state-of-the-worlds-water-to-mark-world-water-day
[15] Yale University, "Sanitation & Drinking Water Category in Environmental Performance Index", Sanitation & Drinking Water | Environmental Performance Index (yale.edu)
[16] Yale University, "Air Quality Category in Environmental Performance Index", Air Quality | Environmental Performance Index (yale.edu)
[17] Global Corruption Index | Global Corruption & ESG Indexes (risk-indexes.com)

Acknowledgement

Under The Guidance and Support Of

Dr. Rita Sharma, Additional Director (Education), Directorate of Education, Govt. of Delhi
Dr. Nahar Singh, Joint Director (Academic), SCERT Delhi
Mr. Shailendra Sharma, Principal Advisor to Director Education, Govt. of Delhi
Mr. Vikram Bhat, Advisor to Deputy Chief Minister, Govt. of Delhi
Dr. B.P. Pandey, OSD (School Branch), DoE, Govt. of Delhi
Ms. Mythili Bector, OSD (Library and Primary Branch), DoE, Govt. of Delhi
Dr. Praveen Chaudhury, OSD to Deputy Chief Minister, Govt. of Delhi
Mr. Parvinder Kumar, OSD (Core Academic Unit), DoE, Govt. of Delhi

Core Group for Content Development

Mr. Amit Kumar Sharma, TGT English (Mentor Teacher)
Ms. Kulvinder Kaur, TGT English (Member, Core Academic Unit)
Ms. Poonam Arora, PGT Maths (Mentor Teacher)
Ms. Rajni Salhotra, TGT English
Ms. Sanghmitra, Assistant Teacher Nursery
Ms. Sangeeta Sharma, PGT Economics (Mentor Teacher)
Ms. Tusha Arora, Assistant Teacher Primary
Mr. Vivek Bharadwaj, PGT English (Mentor Teacher)

Research, Analysis, Design and Review

Ms. Anushna Jha, CMIE Fellow
Ms. Nayanika Varma, CMIE Fellow
Ms. Mehak Verma, Media Intern, Directorate of Information and Publicity
Mr. Parinay Gupta, Volunteer, Education Task Force
Ms. Shivani, CMIE Intern
Mr. Sumit Kumar, CMIE Intern
Ms. Upasa Bardaloi, CMIE Fellow

Proofreading

Ms. Sheetal, TGT Hindi
Ms. Kamlesh Tomer, TGT Hindi
Ms. Ruchi Wali, TGT Hindi

Cover Design

Mr. Javed Khan, Graphic Designer, Govt. of Delhi

Additional Support

Teachers in Pilot Project

Ms. Anju Bala Rohilla, PGT Hindi
Ms. Atuba, PGT Special Education (Mentor Teacher)
Mr. Deepak Kumar Mittal, TGT English (Mentor Teacher)
Mr. Devender Kumar, Lecturer Mathematics (Mentor Teacher)
Mr. Hansraj Badsiwal, TGT Natural Science (Mentor Teacher)
Mr. Jaspal Singh Negi, Lecturer Physics (Mentor Teacher)
Ms. Kamayani Joshi, PGT English (Mentor Teacher)
Mr. Mukesh Jain, TGT Maths (Mentor Teacher)
Mr. Rahul Kumar, TGT Hindi (Mentor Teacher)
Mr. Rajan Kumar, TGT English (Mentor Teacher)
Mr. Rakesh Gujral, TGT Maths (Mentor Teacher)
Mr. Rameshwar Upadhyay, Lecturer History (Mentor Teacher)

Content Working Group

Ms. Chhavi Gupta, TGT Maths (Mentor Teacher)
Ms. Deepshikha, Primary Teacher
Ms. Kirti Yadav, Assistant Teacher Primary
Ms. Poonam Mamgai, TGT, Special Education Teacher
Mr. Praveen Thareja, TGT Social Science
Ms. Neeraj Kumari, Assistant Teacher Primary (Member, Core Academic Unit)

Rajanish Singh
Director

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel. : +91-11-24331356, Fax: +91-11-24332426
E-mail: dir12scert@gmail.com

Date : 21-09-2021

D.O. No. : .....

संदेश

दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा।ये पाठ्यक्रम प्रत्येक बच्चे में देश के प्रति उसकी जिम्मेदारी और कर्तव्य की समझ विकसित करेगा| ये हमारे स्कूलों में ऐसे बच्चे तैयार करेगा जो बिना किसी शर्त के राष्ट्र का सम्मान करेंगे और देश व देश के नागरिकों के प्रति संवेदनशील बनेंगे|

देशभक्ति पाठ्यक्रम बच्चों के दैनिक जीवन और उनके स्वभाव में देशभक्ति विकसित करेगा| पाठ्यक्रम द्वारा बच्चों में ये समझ विकसित होगी कि उनके द्वारा किया गया छोटे से छोटा काम देशभक्ति से जुड़ा हुआ है| ये पाठ्यक्रम बच्चों को एक बेहतर देशभक्त नागरिक बनाएगा जो राष्ट्र प्रगति में अपना योगदान देंगे|

देशभक्ति पाठ्यक्रम से सभी बच्चों में देश के प्रति त्याग और समर्पण की भावना विकसित होगी| पाठ्यक्रम से बच्चों में देश, देश के नागरिक, देश के संसाधनों के प्रति अपनत्व की भावना का संचार होगा| दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग होने के नाते एस.सी.ई.आर.टी इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और ये सुनिश्चित करेगा कि पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित किए गए सभी उद्देश्य पूरे हो|

देशभक्ति पाठ्यक्रम के शिक्षक संदर्भिका के प्रकाशन के अवसर पर मैं उन सभी लोगों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम को तैयार करने में अपना योगदान दिया| सबसे पहले मैं माननीय मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, श्री अरविंद केजरीवाल जी का आभार प्रकट करता हूँ जिनकी दूरदर्शिता और विज़न के साथ इस पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई| मैं माननीय उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री, दिल्ली सरकार श्री मनीष सिसोदिया जी को धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस पाठ्यक्रम निर्माणके शुरूआती दौर से ही निरंतर सुझाव और प्रोत्साहन दिया|

मैं श्री एच.राजेश प्रसाद, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार के सहयोग की सराहना करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम के निर्माण में हमारा मार्गदर्शन किया| मैं श्री उदित प्रकाश राय, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने पाठ्यक्रम निर्माण के दौरान लगातार अपने अमूल्य सुझाव दिए| मैं श्री शैलेंद्र शर्मा, मुख्य सलाहकार, शिक्षा निदेशक के सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिन्होंने पाठ्यक्रम का फ्रेमवर्क तैयार करने और पाठ्यक्रम को सही दिशा देने का काम किया|

मैं देशभक्ति पाठ्यक्रम समिति, सपोर्ट, रिसर्च और एनालिसिस टीम, नॉलेज पार्टनर्स, एक्सपर्ट्स और डिज़ाइन टीम का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने दिन-रात कड़ी मेहनत कर समय के साथ इस पाठ्यक्रम को पूरा किया| मैं उन सभी व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने देशभक्ति पाठ्यक्रम के शिक्षक संदर्भिका के निर्माण में अपना अतुलनीय योगदान दिया|

इन सब के आगे मैं दिल्ली के सभी बच्चों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनसे हमें इस पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए प्रेरणा मिली|

धन्यवाद

रजनीश सिंह

UDIT PRAKASH RAI, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
Mob.: 8700603939
E-mail : diredu@nic.in

No. PS/DE/2021/226

Dated : 16/09/2021

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार ने दिल्ली में शिक्षा के गुणवत्ता को सुधारने के लिए कई नई योजनाएँ एवं कार्यक्रम लागू किया है| देशभक्ति पाठ्यक्रम भी इसी दिशा में शुरू किया गया एक प्रयास है| जो दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को देशभक्त नागरिक बनाएगा और सम्मान के साथ जीना सिखाएगा|

देशभक्ति पाठ्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है ताकि देशभक्ति को लेकर बच्चों की समझ केवल किताबों तक सीमित न रहे बल्किउन्होंने स्व:चिंतन द्वारा जो कुछ भी सिखा है उसे अपने वास्तविक जीवन में भी अपनाएंगे| देशभक्ति पाठ्यक्रम बच्चों को एक सच्चा देशभक्त बनाने के साथ-साथ उनमे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की मानसिकता और मानवीय मूल्यों के साथ जीने का कौशल भी विकसित करेगा|

देशभक्ति पाठ्यक्रम में बच्चे किताबों से अलग हटकर खुद की सोच, चिंतन व अनुभवों के आधार पर देशभक्ति की अपनी परिभाषा बनायेंगे और उसे जीवन में अपनाएंगे| ये पूरा पाठ्यक्रम चर्चाएँ, गतिविधियाँ व स्व:चिंतन पर आधारित है| इस शिक्षक संदर्भिका के प्रकाशन पर सभी शिक्षक साथियों को मेरी और से शुभकामनाएँ| मै आशा करता हूँ कि वे इस पुस्तिका का भरपूर लाभ उठाते हुए प्रत्येक विद्यार्थियों को एक सच्चा देशभक्त नागरिक बनायेंगे|

16/9

(उदित प्रकाश राय)
शिक्षा निदेशक
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

H. RAJESH PRASAD
IAS

सत्यमेव जयते

प्रधान सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Pr. Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

देशभक्ति पाठ्यक्रम की शिक्षक संदर्भिका का लोकार्पण करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है| मुझे ख़ुशी है देश की आज़ादी के 75वें वर्ष में प्रवेश करते हुए हम दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत कर रहे है| कोई भी देश तभी तरक्की कर सकता है जब वहां के नागरिक आपसी भाईचारे, सम्मान, सद्भाव की भावना के साथ जिए और सामाजिक तानेबाने में एक-दूसरे का सहयोग करें| तथा देश की अस्मिता के साथ कभी भी कोई समझौता न करे|

देशभक्ति पाठ्यक्रम इसी दिशा में एक प्रयास है| ये दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अपने देश, देश के लोगों, देश के संसाधनों के प्रति प्यार और सम्मान की भावना से ओतप्रोत करेगा| देशभक्ति पाठ्यक्रम युवा देशभक्तों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करेगा जो देश के संविधान पर विश्वास रखेंगे, धर्म, जाति, समाज, लिंग, भाषा, क्षेत्र के आधार पर आपस में कोई भेदभाव नहीं करेंगे व आने वाले समय में एक शिक्षित व समर्थ भारत की नींव रखेंगे|

मुझे उम्मीद है की आने वाले दिनों में देशभक्ति पाठ्यक्रम को उत्साह और गंभीरता से लागू किया जाएगा और अपेक्षित परिणाम देखने को मिलेगा| दिल्ली की टीम एजुकेशन का सदस्य होने के नाते मैं देशभक्ति पाठ्यक्रम से संबंधित सभी पक्षों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ|

एच.राजेश प्रसाद

MANISH SISODIA
मनीष सिसोदिया

सत्यमेव जयते

DEPUTY CHIEF MINISTER
GOVT. OF NCT OF DELHI
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार
DELHI SECTT, I.P. ESTATE,
दिल्ली सचिवालय, आई.पी.एस्टेट,
NEW DELHI-110002
नई दिल्ली-110002
Email : msisodia.delhi@gov.in

D.O. No. Dy.CM/2021/229

Date : 20 सितम्बर, 2021

शुभकामना संदेश

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम की शुरुआत होना दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था के लिए, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों व सभी दिल्लीवासियों के लिए सम्मान की बात है। हम दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चे के भीतर देशभक्ति की भावना को जगाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे स्कूलों में पढ़ने वाला हर बच्चा – वर्ग, जाति और लिंग के भेदभाव के बिना अपने राष्ट्र और अपने राष्ट्र के नागरिकों के प्रति प्यार, सम्मान और स्नेह की भावना रखे।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपने देश के मान–सम्मान को लेकर आत्मविश्वास में जिये और एक सच्चा देशभक्त नागरिक बने। वह देश की समस्याओं को हल करने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार रहे और समस्याओं से भागे नहीं, बल्कि समस्याओं का सामना करें और उनका समाधान ढूंढे।

इस पाठ्यक्रम के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा कि हर बच्चा अपने मन की गहराइयों में अपने देश के प्रति, देश के लोगों के प्रति, देश की एकता के प्रति, देश की व्यवस्था के प्रति, महिलाओं के प्रति, बच्चों के प्रति, बुजुर्गों के प्रति, प्रेम और सम्मान से ओत–प्रोत हो। हर बच्चा, पढ़–लिख कर, ऐसा कट्टर देशभक्त बने कि बड़ा होकर अगर किसी सरकारी पद पर बैठे तो रिश्वत लेना तो दूर एक ट्रैफिक रेड लाइट तोड़ने पर भी खुद अपनी देशभक्ति पर सवाल खड़ा कर सके। हर बच्चा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी केवल समझें नहीं बल्कि उसे बखूबी निभाए भी, वह आपसी भाईचारा और सामाजिक समानता में भी देशभक्ति देखे। वह केवल तिरंगे को सलाम ही न करे बल्कि तिरंगे के साये में खड़े हर भारतीय को बराबर का मान–सम्मान दे।

इस पाठ्यक्रम से पढ़कर जो बच्चे निकलेंगे वो अपने भारत को एक टीम के रूप में और स्वयं को उस टीम के सदस्य के रूप में देखेंगे और टीम भावना के साथ रहेंगे।

मैं आशा करता हूँ कि हमारे स्कूलों से यह पाठ्यक्रम पढ़कर निकला हर एक बच्चा एक सच्चा और कट्टर देशभक्त बनकर निकलेगा और भारतीय लोकतंत्र के अखंडता और संप्रभुता को और मजबूत बनाने में अपना योगदान देगा।

आपका

मनीष सिसोदिया

दिल्ली सरकार
आप की सरकार

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

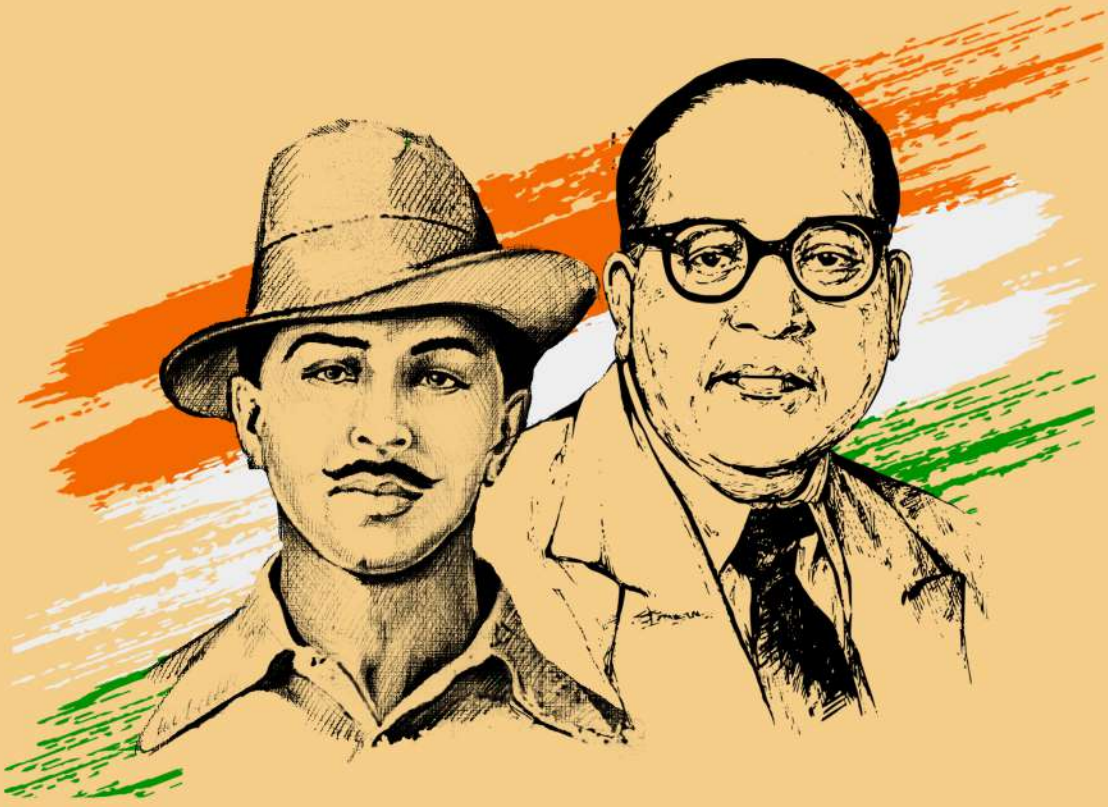

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्– दिल्ली
दिल्ली सरकार